News सिटी चीफ
वर्ष-15, अंक-207
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सुविचार
जंज़ीरें, जंज़ीरें ही हैं, चाहे वे लोहे की हों या सोने की, वे समान रूप से तुम्हें गुलाम बनाती हैं।
- स्वामी रामतीर्थ

सिटी चीफ

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM
इंदौर, शनिवार 02 नवम्बर 2024
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

गोवर्धन पूजा... उज्जैन में सदियों पुरानी अनोखी परंपरा

दर्जनों गायें इंसानों को रौंदते निकली

मध्यप्रदेश सहित देशभर में शनिवार (2 नवंबर) को गोवर्धन पूजा का पर्व मनाया जा रहा है। धर्मनगरी उज्जैन में हमेशा की तरह गोवर्धन पूजा पर अनोखी परंपरा निभाई गई। बाबा महाकाल की नगरी से 76 किमी दूर बड़नगर के भिड़ावद गांव में शनिवार को लोगों के ऊपर से गाय का झुंड दौड़ते हुए निकाला। दर्जनों गाय लोगों को पैरों से रौंदने हुए निकली लेकिन किसी को चोट नहीं आई। मान्यता है कि गाय में 33 कोटि के देवी देवताओं का वास है। उनके पैरों के नीचे आने से भगवान का आशीर्वाद मिलता है। इसलिए सदियों से गांव में अनोखी परंपरा का निर्वहन किया जाता है।

किसी को एक खरोंच तक नहीं आई भिड़ावद के ग्रामीणों की मानें तो अनोखी परंपरा का सदियों से निर्वहन किया जा रहा है। गौरी पूजन पर उपवास रखने वाले ग्रामीण 5 दिन मंदिर में रहकर भजन-कीर्तन करते हैं। दिवाली के दूसरे दिन अल सुबह गायों के पूजन के बाद गांव में जमीन पर लेट जाते हैं। इसके बाद गांव की एक दर्जन से अधिक गायें उनके ऊपर से एक साथ दौड़ती हुई निकलती हैं। ग्रामीणों का कहना है कि गाय के पैरों के नीचे आकर आज तक कोई घायल नहीं हुआ। किसी को एक खरोंच तक नहीं आई।

मन्नत पूरी होने पर हर साल परंपरा में लेते हैं हिस्सा भिड़ावद में शनिवार को अनोखी प्रथा निभाई गई। एक गली में बड़ी संख्या में गायों को रोककर रखा। इसके बाद उपवास रखने वाले लाखन अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, रामचंदर चौधरी, कमल मालवीय, सोनू सिसोदिया जमीन पर लेट गए। फिर एक साथ सभी को छोड़ा। गाय लेटे हुए लोगों को पैरों से रौंदते हुए निकली। मान्यता है कि ऐसा करने से गांव में खुशहाली आती है।

महाराष्ट्र में अकेले नहीं जीत सकती बीजेपी

देवेंद्र फडणवीस के दावे ने बढ़ाई सियासी टेंशन?

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बीच डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस के दावे ने सियासी पारा हाई कर दिया है. दरअसल, देवेंद्र फडणवीस ने बड़ा दावा करते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में बीजेपी अकेले चुनाव नहीं लड़ सकती, जमीनी हकीकत को समझना जरूरी है. हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि महायुति गठबंधन के सहयोगियों के साथ मिलकर जीत जरूर हासिल कर सकती है.

एनडीटीवी मराठी के कॉन्क्लेव में शामिल होने के बाद देवेंद्र फडणवीस ने बीजेपी, एकनाथ शिंदे और अजित पवार गुट की एकजुटता को जीत का जरिया बताया है. उन्होंने कहा कि तीनों पार्टियों के वोट मिलाकर ही महायुति विजयी होगी. बीजेपी अकेले चुनाव जीत नहीं सकती, लेकिन फिर भी सबसे ज्यादा सीटें और वोट शेयर के साथ महाराष्ट्र की सबसे बड़ी पार्टी बनेगी.

बीजेपी में बगावत को लेकर क्या बोले देवेंद्र फडणवीस? महाराष्ट्र चुनाव में बीजेपी के कुछ नेताओं को टिकट न मिलने पर उनके नाराजगी की खबरें और बगावत की आशंका हैं. इसको लेकर देवेंद्र फडणवीस का कहना है कि उन्हें अपने कुछ महत्वाकांक्षी दावेदारों के लिए दुख है, जिन्हें इस बार चुनाव लड़ने का मौका नहीं मिल सका. राज्य की मौजूदा स्थिति ऐसी है, जैसे कई फिल्में बन रही हैं और हर महत्वाकांक्षी अभिनेता को मुख्य किरदार मिल सकता है.

साथ मिलकर बनाएंगे सरकार जानकारी के लिए बता दें कि बीजेपी ने अब तक 288 में से 121 सीटों पर नाम फाइनल कर दिए हैं. वहीं, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने यह भरोसा जताया है कि बीजेपी महाराष्ट्र में शिवसेना, एनसीपी और रामदास अठावले की रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया की मदद से सरकार बनाएगी.

वोट जिहाद पर क्या बोले देवेंद्र फडणवीस इसके अलावा, लोकसभा चुनाव में वोट जिहाद का जिक्र करते हुए उप मुख्यमंत्री फडणवीस ने दावा किया कि महायुति गठबंधन को 48 सीटों में से केवल 17 सीटें ही मिल सकी थीं, लेकिन विधानसभा चुनाव में इसका कोई असर नहीं दिखेगा.

मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल नहीं रहे... 63 की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से निधन, फैशन इंडस्ट्री में शोक की लहर

भारत के मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित बल का दिल का दौरा पड़ने से शुक्रवार(1 नवम्बर) की देर रात निधन हो गया। रोहित बल ने 63 वर्ष की उम्र में दिल्ली के आश्लोक अस्पताल में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि उन्हें बीते सप्ताह ही से डिस्चार्ज किया गया था, लेकिन बुधवार को उनकी तबीयत फिर बिगड़ गई। शुक्रवार को अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। उनके निधन की खबर से फैशन जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। **फैशन काउंसिल ऑफ इंडिया का श्रद्धांजलि संदेश** फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया ने रोहित बल को श्रद्धांजलि दी। इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट में FDCI ने लिखा, हमारे लीजेंडरी डिजाइनर रोहित बल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हैं। उनके अनोखे स्टाइल और इनोवेशन ने भारतीय फैशन को नई ऊंचाइयां दीं। रोहित बल को प्यार से 'गुड्डा' के नाम से भी जाना जाता था। काउंसिल के इस पोस्ट में उनकी क्रिएटिविटी और फैशन के प्रति उनके जुनून का उल्लेख किया गया है। **फैशन के सफर में हासिल की कई कामयाबियां** श्रीनगर में जन्मे रोहित बल ने 1986 में फैशन इंडस्ट्री में कदम रखा। 2001 में उन्हें किंगफिशर फैशन अचीवमेंट अवॉर्ड मिला और 2006 में उन्हें डिजाइनर ऑफ द ईयर का खिताब मिला। 2012 में वे लैक्मे ग्रैंड फिनाले डिज़ाइनर बने। हाल ही में लैक्मे फैशन वीक के ग्रैंड फिनाले में उन्होंने कायनात- ए ब्लूम इन द यूनिवर्स कलेक्शन पेश किया था, जिसमें अनन्या पांडे शोस्टॉपर रहीं।

प्रशांत किशोर का बड़ा खुलासा

एक चुनावी सलाह के लिए लेते थे 100 करोड़

कहा-10 राज्यों में चल रही मेरी बनाई सरकारें जनसुराज के संयोजक और पूर्व चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने एक चौंकाने वाला खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि जब वह किसी नेता या पार्टी के लिए चुनावी सलाहकार की भूमिका में होते थे, तो सिर्फ एक सलाह के लिए ही उनकी फीस 100 करोड़ रुपये से ज्यादा होती थी। 31 अक्टूबर को बिहार के बेलागंज में उपचुनाव रैली में यह बयान देकर उन्होंने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है।

बिहार उपचुनाव में जन सुराज मैदान में प्रशांत किशोर की पार्टी जन सुराज ने बिहार के चार विधानसभा सीटों - बेलागंज, इमामगंज, रामगढ़ और तरारी में होने वाले उपचुनाव में अपने उम्मीदवार उतारे हैं। बिहार में पहली बार किसी चुनाव में जन सुराज पार्टी की भागीदारी है। 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव को लेकर प्रशांत किशोर लगातार जनसभाएं कर रहे हैं और जनता को अपनी पार्टी के उद्देश्यों से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।

पहली बार किया अपनी फीस का खुलासा बेलागंज में आयोजित एक रैली में, प्रशांत किशोर ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के लोग उनसे अक्सर यह सवाल पूछते हैं कि उनके चुनाव अभियान का खर्च कहां से आता है। प्रशांत किशोर ने पहली बार चुनावी रणनीतिकार के रूप में अपनी फीस का खुलासा किया। पीके ने कहा कि जब भी वह किसी पार्टी के लिए चुनावी रणनीति बनाते थे तो100 करोड़ रुपए से ज्यादा की फीस लेते थे। इस बयान से उन्होंने अपने विरोधियों को चुप कर दिया है, जो उनके फाइनेंनशियल सोर्स पर सवाल उठा रहे थे।

हमारी बनाई सरकारें दस राज्यों में प्रशांत किशोर ने अपने संबोधन में दावा किया कि उनके सलाह से बनी सरकारें आज देश के दस राज्यों में काम कर रही हैं। उन्होंने सवाल किया कि यदि मेरी बनाई सरकारें इन राज्यों में चल रही हैं, तो मुझे अपने अभियान के लिए साधन जुटाना क्या मुश्किल है? उन्होंने कहा, जो हमसे सलाह लेते हैं, वो हमें 100 करोड़ रुपए से ज्यादा देने को तैयार रहते हैं।

एक दिन की सलाह से जुटा लेते हैं धन प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि दो साल तक अपनी पार्टी के प्रचार के लिए टेंट और मंच का इंतजाम करना कोई बड़ी बात नहीं है। उन्होंने कहा कि यदि हम किसी एक चुनाव में सलाह दे देते हैं, तो एक ही दिन में पूरी जरूरत का पैसा इकट्ठा हो जाता है। उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधते हुए कहा कि उनके पास संसाधनों की कमी नहीं है और उन्हें अपने समर्थकों पर भरोसा है।

सलमान धमकी केस...अमेरिका में अनमोल बिश्नोई की मौजूदगी की पुष्टि

भारत लाने की तैयारियों में जुटी मुंबई पुलिस

मुंबई पुलिस ने अमेरिका में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई की मौजूदगी की खबर मिलने के बाद बड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि अमेरिकी अधिकारियों की ओर से इत्तला किए जाने के बाद मुंबई पुलिस ने अनमोल बिश्नोई को भारत लाने के लिए प्रत्यर्पण प्रक्रिया शुरू की है। अनमोल बिश्नोई पर कई हाई-प्रोफाइल मामलों में शामिल होने का आरोप है, जिसमें अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग का मामला भी शामिल है।

कोर्ट में दी गई जानकारी, जल्द लाएंगे भारत पिछले महीने मुंबई पुलिस ने विशेष अदालत में एक याचिका दाखिल कर अनमोल बिश्नोई की प्रत्यर्पण प्रक्रिया को मंजूरी मांगी थी। पुलिस ने 16 अक्टूबर को अदालत को जानकारी दी कि वे अनमोल को भारत लाने की योजना पर काम कर रहे हैं। सलमान खान से जुड़े मामले में अनमोल बिश्नोई को न्याय के कटघरे में लाने के लिए पुलिस ने अपनी रणनीति तेज कर दी है।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग मामले में संदिग्ध अनमोल बिश्नोई को सलमान खान के घर के बाहर अप्रैल में हुई फायरिंग में भी प्रमुख संदिग्ध के रूप में नामजद किया गया है। नेशनल इंवेस्टिगेशन एजेंसी की सूची में अनमोल का नाम शामिल होने के साथ ही उनकी गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। एजेंसी द्वारा उन्हें मोस्ट वांटेड लिस्ट में डाला गया है।

अमेरिका और कनाडा ट्रैवेल करते रहता है अनमोल अनमोल बिश्नोई उर्फ भानु मौजूदा समय में कनाडा में रहता है। वह नियमित रूप से अमेरिका आते जाते रहता है। हाल ही में, भारत सरकार की ओर से अनमोल बिश्नोई पर ईनाम का ऐलान किया गया है। पुलिस का मानना है कि अमेरिका और कनाडा के बीच नियमित ट्रैवेल करने वाले अनमोल के बारे में जल्द ही कुछ अहम सुराग मिल सकते हैं। ऐसे में उसे गिरफ्तार करने में आसानी हो सकती है।

बाबा सिद्दीकी के हत्याकांड में भी संदिग्ध है अनमोल 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा में पूर्व महाराष्ट्र मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या का मामला भी अनमोल बिश्नोई से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। पुलिस का दावा है कि अनमोल ने इस हत्या की साजिश रची थी। पुलिस ने इस मामले में जांच तेज कर दी है। अनमोल को जल्द से जल्द अरेस्ट करने की कोशिश जारी है।

कोर्ट में दो आरोपियों की जमानत याचिका खारिज मुंबई की अदालत ने सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग में शामिल दो आरोपियों में से एक की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अदालत का मानना है कि इस फायरिंग का मकसद सलमान खान को नुकसान पहुंचाने का था, और यह सब अनमोल बिश्नोई के इशारे पर किया गया। इस मामले में लॉरेंस और अनमोल बिश्नोई को मुख्य आरोपी बनाया गया है।

बांग्लादेश में बिजली संकट अडाणी प्लांट ने पावर सप्लाई घटाई, 846 मिलियन डॉलर का पेमेंट बकाया

बांग्लादेश में बिजली संकट गहरा गया है। अडाणी पावर ने देश को की जा रही बिजली आपूर्ति को आधा कर दिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, अडाणी पावर झारखंड लिमिटेड ने 846 मिलियन डॉलर के बकाया बिलों के कारण यह कदम उठाया है। पहले अडाणी प्लांट से बांग्लादेश को लगभग 1,496 मेगावाट बिजली मिल रही थी, लेकिन अब इसे घटाकर 700 मेगावाट कर दिया गया है। बिजली आपूर्ति में इस कमी से बांग्लादेश को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

अक्टूबर तक बकाया राशि का भुगतान करने का अल्टीमेटम अडाणी पावर ने बांग्लादेश पावर डेवलपमेंट बोर्ड 27 अक्टूबर को एक पत्र भेजा था। इसमें 30 अक्टूबर तक सभी बकाया बिलों का भुगतान करने की बात कही गई थी। पत्र में यह भी चेतावनी दी गई थी कि यदि बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया, तो 31 अक्टूबर से बिजली आपूर्ति को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। इस अल्टीमेटम के चलते बांग्लादेश को जल्द से जल्द समाधान ढूंढने की जरूरत है।

भुगतान में रुकावट के कारण बढ़ा बकाया एक अधिकारी ने बताया कि जुलाई के बाद से अडाणी पावर द्वारा लगाए गए चार्जेस में बढ़ोतरी हो गई है। पहले, क्ष्ठक्क हफ्ते में लगभग 18 मिलियन डॉलर का भुगतान कर रहा था, जबकि अब यह राशि बढ़कर 22 मिलियन डॉलर हो गई है। इस वजह से भुगतान में देरी हो रही है और बकाया बढ़ता जा रहा है। इसके अलावा, बैंकिंग प्रक्रियाओं में डॉलर की कमी भी बड़ी बाधा बनी हुई है।

कोयले के दाम बढ़ने से बिजली की लागत में बढ़ोतरी अडाणी पावर ने पहले एक साल के लिए सहायक समझौता किया था, जिसमें कोयले की कीमतों में छूट दी गई थी। यह समझौता खत्म होने के बाद, बिजली की कीमतें फिर से बढ़ गई हैं। अडाणी ने अपने पावर पर्चेज एग्रीमेंट के अनुसार इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया के कोयले की कीमतों को आधार बनाकर दाम तय किए हैं। इस बदलाव से बिजली की लागत में वृद्धि हुई है, जिससे बकाया चुकाने में मुश्किल हो रही है।

गौतम अडानी ने बांग्लादेश के अंतरिम सरकार को लिखा पत्र अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को भी पत्र लिखा है। इस पत्र में बकाया राशि की जल्द से जल्द भुगतान की अपील की गई है। बांग्लादेश की सरकार की ओर से नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस इस मामले को देख रहे हैं। अडाणी के इस कदम से यह स्पष्ट है कि वह अपने बकाया के भुगतान को लेकर गंभीर हैं।

बांग्लादेश में बिजली आपूर्ति में कटौती से जनता प्रभावित अडाणी पावर द्वारा बिजली आपूर्ति में कटौती के कारण बांग्लादेश में 1,600 मेगावाट की कमी आ गई है। इस वजह से देश में कई हिस्सों में बिजली की कमी हो रही है और लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्ष्ठक्क की कोशिश है कि जल्द से जल्द इस मुद्दे का समाधान निकाला जाए ताकि बांग्लादेश की बिजली आपूर्ति सामान्य हो सके।

श्रीनगर के खानयार में मुठभेड़, आतंकियों ने जवानों पर चलाई गोलियां, इलाका पूरी तरह सील

जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर शहर के खानयार इलाके में शनिवार सुबह एक मुठभेड़ शुरू हो गई। सुरक्षा बलों को वहां आतंकियों के छिपे होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद इलाके को घेरकर तलाशी अभियान चलाया गया। जैसे ही सुरक्षा बलों ने तलाशी शुरू की, आतंकियों ने उन पर गोलियां चलानी शुरू कर दीं। इसके बाद सुरक्षा बलों ने भी आतंकियों का जवाब देते हुए मुठभेड़ शुरू की। फिलहाल दोनों तरफ से गोलाबारी जारी है।

इलाके में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी मुठभेड़ शुरू होते ही इलाके को पूरी तरह से सील कर दिया गया। खानयार इलाके में सुरक्षा बलों ने चारों तरफ से घेराबंदी कर दी है ताकि आतंकियों के भागने की कोई संभावना न रहे। प्रशासन ने आसपास के लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है और लोगों को अपने घरों में रहने के निर्देश दिए हैं। सुरक्षा बल किसी भी हालत में आतंकियों को भागने का मौका नहीं देना चाहते हैं और पूरे इलाके में सतर्कता बढ़ा दी गई है।

दोनों तरफ से गोलीबारी जारी अधिकारियों के अनुसार, तलाशी अभियान के दौरान ही आतंकियों ने अचानक सुरक्षा बलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिससे मुठभेड़ का माहौल बन गया। जवाबी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने भी गोलियां चलाईं। अब तक किसी भी पक्ष से कोई हताहत की खबर नहीं आई है, लेकिन स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। स्थानीय पुलिस और सुरक्षाबल इस मुठभेड़ में पूरी मुस्तैदी से जुटे हुए हैं और जल्द से जल्द स्थिति को नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रहे हैं।

4. इलाके के निवासियों को किया गया सतर्क सुरक्षा बलों ने खानयार के आसपास के निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया है कि वे अपने घरों में सुरक्षित रहें और मुठभेड़ स्थल के नजदीक न आएं। प्रशासन ने किसी भी संभावित खतरे से बचने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए हैं। इस मुठभेड़ की वजह से इलाके में काफी हलचल है, लेकिन सुरक्षा बल स्थिति को नियंत्रण में लेने के लिए पूरी कोशिश कर रहे हैं।

क्षेत्र में आतंकियों के खिलाफ सख्ती जम्मू-कश्मीर में आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों ने सख्ती बढ़ा दी है। इस साल आतंकवाद से निपटने के लिए कई ऑपरेशन चलाए जा चुके हैं। खानयार में हुई इस मुठभेड़ को लेकर भी अधिकारियों का कहना है कि आतंकियों को सुरक्षित निकलने का कोई मौका नहीं दिया जाएगा। यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की सुरक्षा बलों की प्रतिबद्धता को दिखाती है।

मुठभेड़ पर अधिकारियों का बयान सुरक्षा बलों के अनुसार, यह ऑपरेशन आतंकियों की गतिविधियों पर नियंत्रण रखने के लिए चलाया गया है। उनका कहना है कि इस मुठभेड़ में किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी और आतंकियों का हर हाल में खात्मा किया जाएगा। सुरक्षा बल आतंकियों को कोई भागने का कोई रास्ता नहीं दिया जाएगा। हम स्थिति को जल्दी काबू करने की कोशिश में जुटे हैं।

इंदौर के छत्रीपुरा में विवाद, पेट पर लात मार गर्भपात की धमकी दे रहे थे उपद्रवी

इंदौर। छत्रीपुरा (रविदासपुरा) में पथराव करने वाले मुस्लिम युवक महिलाओं के साथ अश्लीलता कर रहे थे। आरोपितों ने गर्भवती महिला को पेट पर लात मारकर गर्भपात करने की धमकी दे डाली। बच्चियों और पुरुषों को बचाने के लिए महिलाओं को घरों के दरवाजे बंद करना पड़े। घटना स्थल छत्रीपुरा थाना और एसीपी कार्यालय से महज 100 मीटर दूरी पर है। पीड़ित महिला के मुताबिक आरोपित सलमान, शानू और उसके साथी अक्सर विवाद करते हैं। गणेश चतुर्थी पर भी परिवार को धमकाया था। दोपहर में बच्चियों से मारपीट करने वाले बदमाश आठ माह की गर्भवती महिला को भी धमका रहे थे। सलमान ने ललकारते हुए कहा कि इसको बाहर निकालो और लात मारकर गर्भपात कर देंगे। शानू के घर से शकीला ने छत से पत्थर फेंके। बहन नाहिदा ने भी महिलाओं पर ईंट से हमला किया। वृद्धा ने स्वजन को बचाने के लिए दरवाजा लगाया तो आरोपितों ने कहा- आज रात हत्या कर देंगे। हिंदू परिवार की महिलाओं में दहशत है। उनका कहना है कि पटाखे को लेकर विवाद करने वाले मुस्लिम युवक घर खाली करवाना चाहते हैं। जिस जगह हमला हुआ वहां हिंदू परिवार के चार मकान हैं। आरोपित प्रताड़ित कर उन्हें भगाना चाहते हैं।

दुकान पर ही हत्या की धमकी दे रहे थे आरोपित पथराव का वीडियो भी वायरल हो रहा है। इसमें आरोपित चुन-चुनकर पत्थर फेंक रहे हैं। पीड़ितों ने पुलिस को बताया कि हमले में घायल युवक की रेलवे स्टेशन पर जूते की दुकान है। आरोपित दुकान पर ही हत्या की धमकी दे रहे थे। हथियार (पिस्टल) दिखाकर धमकाया जा रहा था। आरोपितों ने जातिसूचक शब्दों का भी प्रयोग किया था। घटना के बाद भाजपा नेता और हिंदू संगठन के सैकडों लोग जमा हो गए। छत्रीपुरा, कागदीपुरा और बियाबानी तक पुलिस बल तैनात करना पड़ा। विधायक मालिनी गौड़ के पुत्र एकलव्य गौड़ समर्थकों के साथ पहुंचे और कड़ी कार्रवाई की मांग की।

हरी सब्जियों के रेट पहुंचे 140 रुपये किलो

महीनेभर और राहत की उम्मीद नहीं

इंदौर। हरी सब्जियों के दाम आसमान पर पहुंचने लगे हैं। खुदरा बाजार यानी शहर की आम दुकानों-ठेलों पर हर तरह की हरी सब्जियां कम से कम 80 रुपये किलो और ऊपर में 120 से 140 रुपये प्रति किलो के दाम पर बिक रही हैं। कम से कम दो सप्ताह से यह स्थिति बनी हुई है। लोग मान रहे थे कि दीपावली के कारण सब्जियों की महंगाई बढ़ी है। हालांकि व्यापारी कह रहे हैं कि अभी कम से कम महीनेभर महंगाई से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। थोक सब्जी मंडी में दीपावली के अवकाश के बाद शनिवार से फिर कारोबार शुरू होगा कारोबारी इमरान राईन के अनुसार शनिवार सुबह से सब्जियों के जो सौदे होंगे, उनसे शहर की खेरची दुकानों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। गांवों में पड़वा यानी गोवर्धन पूजा का त्योहार शनिवार को ही मनाया जा रहा है। ऐसे में बहुत कम किसान सब्जियां बेचने के लिए थोक मंडी में आएंगे। अभी भाईदूज तक आवक कम रहेगी और दामों में और भी उछाल आ सकता है।

निमाड़ से आ रही सब्जियां थोक कारोबारी सलीम चौधरी के अनुसार बीते दिनों हुई बारिश के कारण आसपास के क्षेत्रों की सब्जियां खराब हो गई थीं। अब इंदौर में जो सब्जियों की आवक हो रही है वह निमाड़ के नर्मदा नहर वाले क्षेत्रों से आ रही है। आवक सीमित है और शहर में मांग ज्यादा है। ऐसे में सब्जियों के दाम ऊंचे बने हुए हैं। चौधरी के अनुसार ठंड शुरू होने के बाद सब्जियों की नई फसल की आवक बढ़ेगी। उसके बाद ही दामों में राहत मिल सकती है। इसमें भी कम से कम एक महीना और लग सकता है।

थोक से दोगुना दाम बाजार में उपभोक्ताओं के लिए सब्जियां महंगी होने का अहम कारण इस पर वसूला जा रहा तगड़ा मुनाफा है। थोक सब्जी मंडी में अभी दो सब्जियां सबसे महंगी हैं- मटर और सूरजना फली। इन दोनों के दाम थोक मंडी में 100 रुपये किलो से पार हैं। शेष सब्जियां जैसे गिलकी, ककड़ी, हरी मिर्च, भिंडी, टिंडा व अन्य सब्जियां 30 से 40 रुपये किलो के दाम पर बिक रही हैं, जबकि कद्दू, लौकी जैसी कुछ सब्जियां तो 10 से 15 रुपये किलो के दाम पर ही बिक रही रही हैं। हालांकि खेरची बाजार में इन्हें दो से तीन गुना दाम पर बेचा जा रहा है।

जीएसटी में हर बिल की होगी ऑनलाइन एंट्री, 1 नवंबर से लागू हुआ नया सिस्टम

इंदौर। गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) में अब हर बिल, इनवायस, चालान की ऑनलाइन एंट्री होगी और उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का विकल्प भी दर्ज करना होगा। 1 नवंबर से यह नई व्यवस्था लागू हो रही है। जीएसटी कॉमन पोर्टल पर इस नए सिस्टम को इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम (आईएमएस) के नाम से लागू किया गया है। मप्र टैक्स ला बार एसोसिएशन ने परिचर्चा इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम(आईएमएस) की कार्यप्रणाली और आईटीसी पर पड़ने वाले प्रभावों का व्यावहारिक एवं प्रायोगिक विश्लेषण आयोजित की। सेवानिवृत्त सहायक आयुक्त संजय सूद और एडवोकेट अमित दवे चर्चा के सूत्रधार थे। मुख्य वक्ता एडवोकेट अंकुर अग्रवाल और गौरव अग्रवाल ने आईएमएस को समझाते हुए कहा कि इनवाइस मैनेजमेंट सिस्टम जीएसटी सिस्टम में एक सुविधा है। इसमें आपूर्तिकर्ता द्वारा जीएसटीआर-1,1ए,आइएफएफ में सहेजे गए इनवाइस और रिकार्ड को प्राप्तकर्ता द्वारा स्वीकार या अस्वीकार किया जा सकेगा।

अमन नाम बताकर छात्रा को दिया प्यार का झांसा

असली नाम पता चलने पर उड़ गए होश

इंदौर। लसूड़िया पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में मुस्लिम युवक आमिन खान को गिरफ्तार किया है। आरोपित छात्रा को अच्छे कॉलेज में एडमिशन करवाने का झांसा देकर करीब आया था। आरोपित ने अमन नाम बताकर दोस्ती की और छात्रा के साथ शारीरिक संबंध बना लिए। टीआई तारेश सोनी के मुताबिक महालक्ष्मीनगर निवासी छात्रा से करीब एक महीने पूर्व ही परिचय हुआ था। छात्रा बीकाम की पढाई के साथ शेयर मार्केट में भी काम करती है। आरोपित ने कॉलेज में एडमिशन करवाने का झांसा दिया और छात्रा के रुम पर पहुंच गया। उस वक्त आरोपित ने अमन नाम बताया था। आरोपित ने छात्रा को शादी का झांसा दिया और शारीरिक संबंध बना लिए। बाद में उसके असली नाम का खुलासा हुआ। उसने शिकायत करने पर छात्रा को धमकाया। बुधवार को पीड़िता ने परिचितों की मदद ली और थाने में शिकायत कर आमिन पुत्र कय्यूम खान निवासी खजराना के विरुद्ध केस दर्ज करवाया। टीआई के मुताबिक आरोपित को गिरफ्तार कर लिया गया है। हिंदू संगठन के लोगों ने मंगलवार रात दो मुस्लिम युवकों को पकड़ा। उन पर हिंदू युवतियों को बरगलाने और सिगरेट के साथ नशा करवाने का आरोप लगाया। युवकों को पुलिस के सुपुर्द किया लेकिन बाद में बगैर कार्रवाई छोड़ दिया गया।पुलिस का दावा है युवतियां सहमती से आई थी। घटना सपना संगीता रोड़ स्थित एक शाप की है। हिंदू जागरण मंच के कुछ लोगों ने दो युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया। युवक दो युवतियों के साथ सिगरेट पी रहे थे। आरोप है कि युवकों ने शुरुआती पूछताछ में पहचान छुपाने की कोशिश की। आईडी मांगने पर बताया मुस्तफा और अन्य नाम बताया। हिंदू जागरण मंच द्वारा नशाखोरी का आरोप लगाया और दोनों युवकों को जूनी इंदौर पुलिस के सुपुर्द कर दिया। हालांकि यहां से दोनों को भंवरकुआं थाने भिजवा दिया। टीआई राजकुमार यादव के मुताबिक युवतियों द्वारा शिकायत नहीं की गई थी। वह मर्जी से युवकों के साथ आई थी। पुलिस ने दोनों को हिदायत देकर छोड़ दिया।

मुगलों के आक्रमण से बचने के लिए चलाते थे हिंगोट..

मध्य प्रदेश के गौतमपुरा में आज भी जारी है परंपरा

गौतमपुरा। देपालपुर तहसील के गौतमपुरा में पारम्परिक हिंगोट युद्ध का समापन हुआ। युद्ध में गौतमपुरा और रुणजी दलों के योद्धाओं ने एक दूसरे पर अग्निबाणों की तरह हिंगोट से हमला किया।युद्ध को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग गौतमपुरा पहुंचे। उनकी सुरक्षा के लिए जाली लगाई गई थी। युद्ध में दोनों दलों के 15 योद्धा घायल हुए। सभी को प्राथमिक उपचार दे कर घर भेजा गया। इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसबल, अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी, एम्बुलेंस, फायरब्रिगेड और चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही। युद्ध की वर्षों पुरानी परंपरा निभाने के लिए इस बार भी गौतमपुरा के दोनों दलों के योद्धा तैयार हुए। विश्व प्रसिद्ध हिंगोट युद्ध के लिए प्रशासन भी तैयारी में जुटा था। साथ ही युद्ध में शस्त्रों की तरह उपयोग होने वाले हिंगोट का भी ढेर लग गया था। 1 नवंबर को गौतमपुरा नगर के रलायता रोड स्थित खारचा क्षेत्र में गौतमपुरा और रुणजी के तुर्रा और कलंगी दलों के बीच में युद्ध हुआ। हर बार की तरह इस वर्ष भी बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इसमें सुरक्षा के लिए और दर्शकों की व्यवस्था संभालने के लिए 200 से अधिक पुलिसकर्मी, युद्ध में घायल होने वाले योद्धाओं के लिए एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम भी मौजूद रही। वहीं आगजनी की घटना से बचाव के लिए फायर ब्रिगेड, फायर एक्सटिंग्यूशर और रेती सहित अन्य संसाधन भी रहे।

असमंजस था, फिर तय हुई 1 नवंबर की तारीख परंपरा निभाते हुए इस साल भी गौतमपुरा में हिंगोट युद्ध होगा। इस वर्ष दीपावली की दो तिथियां होने के कारण असमंजस था। स्थानीय लोगों ने इस युद्ध को 1 नवंबर को करने का निर्णय ले लिया है। दीपावली के दूसरे दिन यानी धोक पडवा पर हिंगोट युद्ध (अग्निबाण) का खतरनाक किंतु रोमांचक आयोजन होता है। इस वर्ष भी युद्ध शाम 5 बजे आरंभ हुआ और 7 बजे समाप्त हुआ। युद्ध को देखने के लिए दूर-दूर से दर्शक भी गौतमपुरा पहुंचते हैं। दर्शकों के देखने के लिए अलग से क्षेत्र बनाया जाता है। साथ ही हिंगोट कहीं दर्शकों को न लगे इसके लिए जालियां भी लगाई गईं।

मुगलों के आक्रमण से बचने के लिए चलाते थे हिंगोट यह युद्ध मुगलों के आक्रमण से बचाव के लिए नगर वासियों और आसपास के क्षेत्र वालों ने प्रारंभ किया था। चंबल नदी की घाटियों से जब मुगल आक्रमण करते तो हिंगोट चलाकर उन्हें घोड़े से गिराकर नगरवासी उन्हें मार देते थे, और हमला विफल हो जाता था। स्थानीय हिंगोरिया फल और अरंडी की लकड़ी के कोयले आदि से बनने वाले इस अग्निबाण को चलाने के लिए युद्ध के पूर्व अभ्यास किया जाता था जिसे देखने हजारों लोग उमड़ते थे। इसकी शुरुआत भगवान देवनारायण के दर्शन के बाद होती है।

इंदौर में पटाखे फोड़ने पर दो समुदायों में विवाद

वाहनों में तोड़फोड़ कर लगाई आग, डीजीपी ने मांगी घटना की रिपोर्ट

इंदौर। छत्रीपुरा में शुक्रवार दोपहर दो जगह साम्प्रदायिक विवाद हो गया। दोनों तरफ से एक दूसरे पर पथराव किया गया। घरों के बाहर खड़ी कार, बाइक, स्कूटर और आटो रिक्शा फोड़ डाली। एक आटो रिक्शा को आग के हवाले कर दिया गया। विरोध में हिंदू संगठन और भाजपा नेता मैदान में उतरे और छत्रीपुरा थाने का घेराव कर नारेबाजी की। हमले में दोनों पक्षों के 15 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

डीजीपी बोले- पटाखे जलाने से रोकना अनुचित, बर्दाश्त नहीं होगा कानून हाथ में लेना इंदौर शहर में शुक्रवार को पटाखे जलाने से रोके जाने के बाद हुए बवाल को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सुधीर कुमार सक्सेना ने गंभीरता से लिया है। इंदौर के पुलिस उच्चाधिकारियों से मामले की रिपोर्ट तलब करने के बाद डीजीपी ने कहा कि इंदौर में पटाखे जलाने से रोका गया, जो अनुचित है। यदि कोई अपने हाथ में कानून लेता है तो इसे सहन नहीं किया जाएगा। उपद्रवी तत्वों से कड़ाई से निपटा जाएगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि प्रदेश में सभी धर्मों का पूरा सम्मान है। प्रत्येक नागरिक को अपने दायरे में रहकर सभी धर्मों की भावनाओं का सम्मान करना चाहिए। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में इंदौर में उन लोगों को उसी स्थान पर पटाखे जलाने का अवसर दिया गया, जिन्हें पटाखे जलाने से रोका गया था।

ऐसे हुई विवाद की शुरुआत रविदासपुरा(टाटपट्टी बाखल) से दोपहर करीब ढाई बजे हुई। 12 वर्षीय बच्ची घर के बाहर फटाखे फोड़ रही थी।आरोपित सलमान ने बच्ची के थप्पड़ मारा और अपशब्दों बोलकर भगाने लगा। उसका भाई शानू,अयान और महिलाएं भी गालियां देने लगी। बच्ची की रोने की आवाज सुनकर एक किशोरी बाहर आई तो सलमान उसकी कुर्ती पकड़ी और खींच कर अंदर ले जाने लगा। उसने बच्चियों से छेड़छाड़ की और दुष्कर्म की धमकी। कालोनी में रहने वाले वाले सुमित द्वारा विरोध करने पर आरोपितों ने हमला कर दिया। मिनटों में दोनों समुदायों के लोग आमने-सामने हो गए और खुद पथराव हुआ। मुस्लिम युवकों ने घरों पर ईंट और पत्थर फैंकना शुरु कर दिए।हमले में सुमित,तरुण अहिरवाल,धर्मेंद्र बड़के,जितेंद्र अहिरवाल,सचिन,कृष्णा,गोलू और मोनू सहित करीब 15 लोग घायल हो गए।

महिलाओं से अभद्रता की शिकायत शुक्रवार दोपहर डेढ़ बजे छत्रीपुरा क्षेत्र में बच्चों द्वारा पटाखा फोड़ने पर दो पक्षों में विवाद हुआ। लोगों ने कुछ महिलाओं से अभद्रता की शिकायत भी की है। स्थानीय ने कहा कि, लोग आपस में मिल रहे थे, बच्चे पटाखे फोड़ रहे थे घरों के आगे, इस दौरान सामने कुछ मुस्लिम परिवार थे, जिन्होंने बच्चों को अपशब्द कहे और बच्ची का हाथ भी खीचा। इसका विरोध करने पर बच्चों के परिवार वालों के साथ भी मारपीट की और पथराव किया। स्थिति संभालने के लिए अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अमितसिंह (कानून), मनोज श्रीवास्तव(मुख्यालय) डीसीपी(अपराध) राजेश त्रिपाठी और डीसीपी (जोन-1) ऋषिकेश मीना बल लेकर पहुंचे। करीब छह बजे तक तनाव की स्थिति बनी रही। शाम को पुलिस ने दो अलग-अलग प्रकरण दर्ज किए है। 15 वर्षीय किशोरी की शिकायत पर मारपीट, छेड़छाड़ और पाक्सो एक्ट की धाराएं लगाई गई है।

गाय के मुंह में फटा बम, निचला जबड़ा क्षतिग्रस्त, हालत गंभीर

भोपाल। राजधानी के बागसेवनिया इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। एक गाय के मुंह में बम फट गया, जिससे उसका जबड़ा बुरी तरह घायल हो गया। गुरुवार को हुई घटना के बाद जिसने भी गाय की हालत देखी, उसका दिल दहल गया। घायल गाय का पशु चिकित्सालय में उपचार कराया जा रहा है। शिकायत मिलने के बाद बागसेवनिया थाना पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

यह है घटनाक्रम पुलिस के मुताबिक बागमुगालिया निवासी राजू पटेल पशु पालक हैं। गुरुवार सुबह उनकी गाय घर के पास चर रही थी, तभी उन्हें घर के बाहर बम के धमाके की आवाज सुनाई दी। वह दौड़कर बाहर पहुंचे तो देखा कि गाय के मुंह से खून बह रहा है और उसका जबड़ा बुरी तरह से टूट गया है। वह तुरंत उसे लेकर अस्पताल पहुंचे। वहां डॉक्टर ने बताया कि गाय के जबड़े में चोट बम के फटने से आई है। आशंका जताई जा रही है कि किसी ने दिवाली पर बम को जलाकर घास पर फेंका होगा, जो उस वक्त नहीं फटा। बाद में गाय द्वारा घास चरने के दौरान यह बम उसके मुंह में आ गया और चबाने के दौरान फट गया होगा। गाय की हालत गंभीर बताई जा रही है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस घटनास्थल के आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है।

बांधवगढ़ में हाथियों की मौत पर सीएम मोहन सख्त

बुलाई आपात बैठक, अफसरों से 24 घंटे में मांगी रिपोर्ट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार रात को बांधवगढ़ में दस हाथियों की मौत के मामले में आपात बैठक बुलाई। इसमें बताया गया कि विशेषज्ञ की रिपोर्ट आने में चार दिन लगेंगे। मुख्यमंत्री ने घटना के सभी पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए उच्च स्तरीय दल भेजने के निर्देश दिए। इसी क्रम में वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार के साथ अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल और राज्य वन बल प्रमुख पीसीसीएफ असीम श्रीवास्तव उमरिया जाएंगे। यह दल 24 घंटे में अपना प्रतिवेदन सौंपेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस घटना में दोषी लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार वनों की रक्षा और वन्यप्राणियों की सुरक्षा के प्रति गंभीर है।

ये निर्देश दिए

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हाथियों की मृत्यु के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त की और निर्देश दिए कि घटना की संपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त करने के लिए उच्चस्तरीय दल उमरिया जाए।

जांच की रिपोर्ट आने के पूर्व इस अवधि में घटना से जुड़े विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जो कार्रवाई जारी है, उसमें विलंब न हो।

वन राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार और दो वरिष्ठ अधिकारी उमरिया जाएं। उमरिया के दौरे की रिपोर्ट 24 घंटे में सौंपी जाए।

दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाए।

सैंपल की होगी वैज्ञानिक जांच

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जैसा बताया गया है कि हाथियों की मृत्यु के बाद पोस्टमार्टम में हाथियों के पेट में बड़ी मात्रा में कोदो पाए जाने की जानकारी मिली है। जो सैंपल हाथियों के पेट से लिए गए हैं, उनकी वैज्ञानिक जांच की जाएगी। उसमें यह स्पष्ट होगा कि किसी तरह का जहरीला पदार्थ तो नहीं है।

संबंधित विभागों को चेताया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस तरह की घटनाएं फिर न हों, इसके लिए वन विभाग, स्थानीय प्रशासन और सभी पक्ष सजग और संवदेनशील रहें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उमरिया में हाथियों की मृत्यु की घटना में किसी भी स्तर पर लापरवाही पाए जाने और उपचार एवं अन्य प्रबंधन में विलंब की बात सिद्ध होने पर दोषी लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री निवास में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना, अपर मुख्य सचिव वन अशोक वर्णवाल, जनसंपर्क आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन वर्चुअल रूप से शामिल हुए।

रवीन्द्र भवन में आज गोवर्धन पूजा का राज्यस्तरीय कार्यक्रम

गोशिल्प और पंचगव्य उत्पादों पर केंद्रित प्रदर्शनी भी लगेगी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में आज रवींद्र भवन में गोवर्धन पूजा का राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। गोवर्धन पर्व के सांस्कृतिक एवं आर्थिक महत्व पर केन्द्रित इस आयोजन में गोसंस्कृति, परिवेश के प्रदर्शन और स्वास्थ्य आधारित लाभों पर केन्द्रित प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी में मुख्य रूप से पंचगव्य उत्पाद, गोशिल्प उत्पाद, कृषि आधारित उत्पाद और दैनिक उपयोग के उत्पाद के आर्थिक महत्व को प्रदर्शित किया जाएगा। इस अवसर पर सभी जिलों की किसी एक प्रमुख गोशाला में भी कार्यक्रम होगा। गोवर्धन पूजा, गोमय और पंचगव्य उत्पादों पर संगोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिता और बच्चों के कार्यक्रम होंगे।

गाय और गंगा, भारत की संस्कृति-सभ्यता की आत्मा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गोवर्धन पूजा प्रकृति के सम्मान का उत्सव है। धरा पर गाय और गंगा ही हैं, जो ईश्वर को अत्यंत प्रिय हैं। इनके बिना भारतवर्ष की कल्पना भी नहीं की जा सकती। गाय और गंगा, भारत की संस्कृति एवं सभ्यता की आत्मा है... ये पालनहार हैं और तारणहार भी। वेद, पुराण, उपनिषद, स्मृति-ग्रंथों, रामायण, महाभारत और वांग्मय में गौ-महिमा का वर्णन है। गाय को सुरभि, कामधेनु, अर्च्या, यज्ञपदी, कल्याणी, इज्या, बहुला, कामदुघा, विश्व की आयु, रुद्रों की माता और वसुओं की पुत्री के रूप में सुशोभित किया गया है।

वेदों में वर्णित है गाय की महत्ता उन्होंने कहा कि सर्वदेवमयी गाय को वेदों में अघ्न्या (अवध्या) बतलाया है... त्रेता युग में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने वनगमन के पूर्व गोदान किया था। द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने बाल्यावस्था में गायों संग व्यतीत कर भारतवर्ष को गाय की महत्ता का संदेश दिया है। स्कन्दपुराण में त्रिदेव ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश के द्वारा कामधेनु की स्तुति की गई है

त्वं माता सर्वदेवानां त्वं च यज्ञस्य कारणम्।
त्वं तीर्थं सर्वतीर्थानां नमस्तेऽस्तु सदानघे ।।

अर्थात् हे अनघे तुम समस्त देवों की जननी तथा यज्ञ की कारणरूपा हो और समस्त तीर्थों की महातीर्थ हो, तुमको सदैव नमस्कार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ईश्वर द्वारा वंदनीय गोमाता का संरक्षण एवं संवर्धन केवल कर्तव्य ही नहीं, धर्म भी है। मध्यप्रदेश सरकार भी गोसेवा के लिए सदैव प्रतिबद्ध है। हमारी सरकार ने प्रत्येक गांव में गोशाला प्रारंभ करने का अभियान शुरू किया है। सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए गोशाला में गाय के आहार के लिए निर्धारित अनुदान को भी बढ़ाकर दोगुना कर दिया है।

बिड़ला संग्रहालय में देखें इतिहास संकलन प्रदर्शनी

शौर्य स्मारक में सैन्य फिल्म प्रदर्शन

भोपाल। शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 2 नवंबर को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

इतिहास संकलन प्रदर्शनी - मध्य प्रदेश के स्थापना दिवस के मौके पर जीपी बिड़ला सग्रहालय में स्वराज संस्थान संचालनालय और इतिहास संकलन समिति के सहयोग से प्रदर्शनी लगाई गई है। इसमें सरदार वल्लभ भाई पटेल पर आधारित इतिहास संकलन, स्टांप टिकटों और समाचार पत्रों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को सुबह दस से शाम पांच बजे तक देखा जा सकता है। यह प्रदर्शनी 3 नवंबर तक चलेगी।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड चित्रकार संतोषी श्याम के चित्रों की प्रदर्शनी सजाई गई है। इस 54वीं माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में %माह का प्रादर्श% श्रंखला के तहत इस माह छत्तीसगढ़ के जनजातीय समुदाय से जुड़ी %डोली - एक पालकी% का प्रदर्शन किया जा रहा है। वीथि संकुल में इस प्रदर्शनी को सुबह 11 से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात 08 बजे तक देख सकते हैं।

अभिनय कार्यशाला - हम थियेटर ग्रुप द्वारा प्रस्तुतिपरक अभिनय कार्यशाला का आयोजन मायाराम सुरजन भवन में किया जा रहा है। 45 दिवसीय कार्यशाला में फिजिकल एक्सरसाइज, बॉडी मूवमेंट,वॉइस मॉड्यूलेशन, इंप्रोवाइजेशन, स्पीच, मेकअप और डायरेक्शन आदि का प्रशिक्षण देकर नाटक तैयार किया जा रहा है। अभिनय कार्यशाला का समय शाम छह बजे से है।

काव्य पाठ एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम - चंबल एकता मंच द्वारा गोवर्धन पूजा के अवसर पर आज सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा हे। कार्यक्रम जवाहर चौक स्मार्ट सिटी रोड स्थित नागेश्वर धाम मंदिर परिसर में आयोजित होगा। शाम पांच बजे से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में वीर रस के कवि रामभदावर अपनी भव्य प्रस्तुति देंगे। यहां पर जागरण एवं राधा कृष्ण नृत्य के कई रंगारंग प्रस्तुतियां भी होंगी।

सैन्य फिल्म प्रदर्शन - शौर्य स्मारक के मुक्ताकाश मंच पर आज शाम सैन्य फिल्म %रेडी फॉर एक्शन का प्रदर्शन किया जाएगा।

दीवाली के बाद भोपाल-इंदौर में बढ़ा तापमान, अगले 3-4 दिन रहेगी गर्मी

भोपाल वर्तमान में कोई प्रभावी मौसम प्रणाली सक्रिय नहीं है। हवाओं का रुख भी अभी दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से प्रदेश में तापमान बढ़ने लगा है। इसी क्रम में शुक्रवार को प्रदेश में सबसे अधिक 36.6 डिग्री सेल्सियस तापमान खजुराहो में दर्ज किया गया। भोपाल, इंदौर एवं जबलपुर में भी शुक्रवार का दिन पिछले 10 वर्षों की तुलना में सबसे गर्म रहा। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक, किसी प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत पहुंचने और हवा का रुख उत्तरी होने पर ही तापमान में कुछ गिरावट होने की संभावना है। वर्तमान में पूर्वी असम एवं पश्चिमी असम पर हवा के ऊपरी भाग में चक्रवात बने हुए हैं।

तीन-चार दिन तक ऐसा ही रहेगा मौसम मौसम विज्ञान केंद्र से पूर्व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अजय शुक्ला ने बताया कि इन दोनों मौसम प्रणालियों का मध्य प्रदेश के मौसम पर विशेष प्रभाव नहीं पड़ रहा है। हवाओं का रुख वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी बना हुआ है। इस वजह से प्रदेश के अधिकतर शहरों में तापमान बढ़ा हुआ है। मौसम का इस तरह का मिजाज अभी तीन-चार दिन तक बना रह सकता है।

प्रदेश में बढ़ने लगी सिहरन उत्तर भारत में किसी प्रभावी पश्चिमी विक्षोभ के उत्तर भारत में पहुंचने के बाद वहां के पहाड़ी क्षेत्रों में वर्षा एवं बर्फबारी होती है। पश्चिमी विक्षोभ के आगे बढ़ने के बाद हवाओं का रुख उत्तरी होने लगता है। वहां से आने वाली सर्द हवाओं के कारण प्रदेश में सिहरन बढ़ने लगती है। रात के तापमान में गिरावट होने लगती है। मौजूदा स्थिति को देखते हुए एक सप्ताह बाद ही रात के तापमान में कुछ कमी आने के आसार हैं।

अब हाइड्रोजन से चलेंगे वाहन, डीजल इंजन में 20 प्रतिशत उपयोग सुरक्षित, मैनिट के शोध में हुई पुष्टि

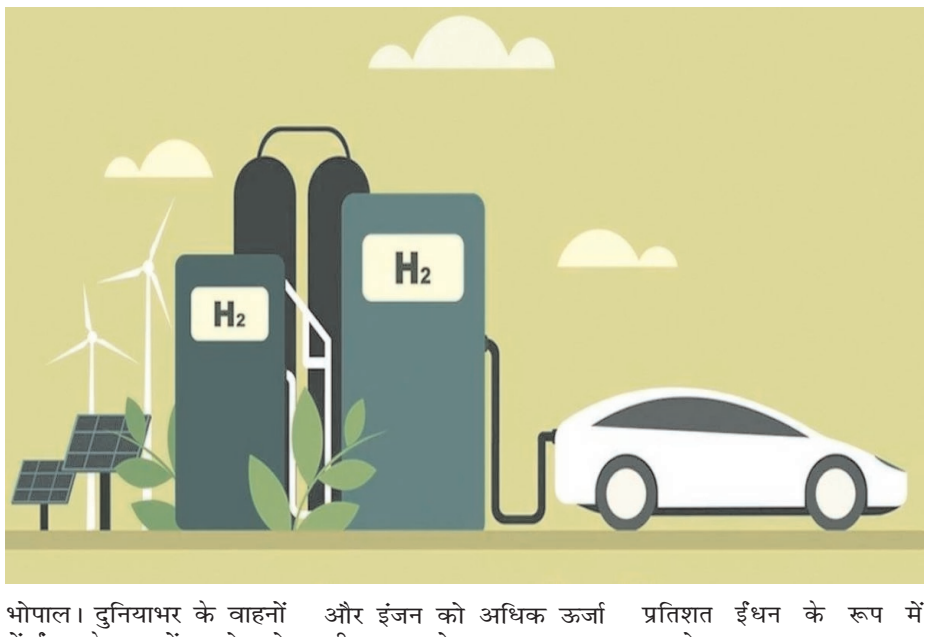

भोपाल। दुनियाभर के वाहनों में ईंधन के रूप में उपयोग हो रहे पेट्रोल और डीजल पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं। ऐसे में वैज्ञानिक हाइड्रोजन को भविष्य के ईंधन के रूप में देख रहे हैं। हाइड्रोजन के उपयोग को लेकर विश्व के तमाम संस्थानों में शोधकार्य किया जा रहा है। भोपाल में स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में एनर्जी सेंटर के तीन प्रोफेसर और एक पीचएचडी छात्र ने भी ईंधन के रूप में हाइड्रोजन गैस के उपयोग को लेकर एक वर्ष तक शोध किया।

इस अनुपात में सुरक्षित शोध में उन्होंने पाया कि डीजल इंजन में 80 प्रतिशत डीजल के साथ 20 प्रतिशत हाइड्रोजन गैस का उपयोग किया जा सकता है। उनके अनुसार अगले पांच वर्षों में वाहनों में हाइड्रोजन का उपयोग शुरू हो जाएगा, जो वाहन चालकों के लिए सुरक्षित रहेगा। साथ ही पर्यावरण के अनुकूल होगा और इंजन को अधिक ऊर्जा भी प्रदान करेगा।

इन्होंने किया शोध मैनिट में स्थापित एनर्जी सेंटर ने सितंबर 2023 में 25 लाख रुपये की लागत से हाइड्रोजन ईंधन के उपयोग को लेकर प्रोजेक्ट शुरू किया था। इसमें विभिन्न विभागों के प्रोफेसर डॉ. प्रशांत बारेदार, डॉ. गौरव द्विवेदी, डॉ. टिकेंद्रनाथ वर्मा और पीएचडी छात्र कौस्तुभ ने ड्युअल फ्यूल इंजन में हाइड्रोजन गैस के ईंधन के रूप में उपयोग को लेकर शोध किया।

धीरे-धीरे बढ़ाई मात्रा डॉ. गौरव द्विवेदी ने बताया कि शुरुआत के चार महीने हमने सिर्फ डीजल के साथ हाइड्रोजन गैस की अलग-अलग मात्रा को ईंधन के रूप में जांचा। शुरुआत पांच प्रतिशत से की, इसके बाद मात्रा बढ़ाते हुए 20 प्रतिशत तक लेकर गए। आगे जब ईंधन में हाइड्रोजन की मात्रा बढ़ी तो हीटिंग की समस्या होने की आशंका हुई, जिसके बाद इंजन में 20 प्रतिशत ईंधन के रूप में हाइड्रोजन का आठ माह तक उपयोग किया। चूंकि हाइड्रोजन का एनर्जी कंटेंट पेट्रोकैमिकल्स से अधिक है, इसलिए इंजन को अतिरिक्त ऊर्जा मिली और संतुलित उपयोग से इंजन में गर्मी की समस्या भी नहीं हुई। इनका शोध एक रिसर्च जर्नल में भी प्रकाशन हो चुका है।

इस तरह से इंजन में काम करता है हाइड्रोजन पीएचडी स्कॉलर कौस्तुभ ने बताया कि ड्युअल फ्यूल इंजन में डीजल टैंक के साथ हाइड्रोजन सिलेंडर भी लगाया जाता है। इंजन में दोनों की सप्लाई की जाती है। इंजन को डीजल सप्लाई से चालू किया जाता है और इंजन गर्म होने पर हाइड्रोजन की सप्लाई शुरू की जाती है। इसका कितनी मात्रा में उपयोग करना है, इसे सप्लाई को रोककर कंट्रोल किया जाता है। इंजन में जिस रास्ते से एयर प्रेशर किया जाता है, उसी जगह से हाइड्रोजन की सप्लाई की जाती है।

मप्र के 34 लाख बुजुर्गों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ, यहां से बनवाएं कार्ड

भोपाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा इसी सप्ताह 70 वर्ष अधिक आयु के सभी लोगों को आयुष्मान योजना में शामिल करने की शुरुआत के बाद मध्य प्रदेश में सभी हितग्राहियों का कार्ड बनाने के लिए अभियान चलाया जाएगा। प्रदेश में 70 वर्ष से ऊपर के लगभग 34 लाख लोगों को योजना का लाभ मिल सकेगा। हितग्राही आयुष्मान पोर्टल पर खुद कार्ड बना सकते हैं या पास के किसी सरकारी अस्पताल में आयुष्मान केंद्र में जाकर बनवा सकते हैं।

ऐसे बनवाएं आयुष्मान कार्ड आयुष्मान भारत योजना के अधिकारियों ने बताया कि पंजीयन के दौरान ओटीपी आता है। ओटीपी अंकित करने पर पंजीयन हो जाता है। केंद्र सरकार ने 70 वर्ष से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को योजना में शामिल करने के साथ विशेष लाभ देने का निर्णय लिया है। एक सप्ताह पहले योजना प्रारंभ होने के साथ ही देश भर में पंजीयन भी प्रारंभ हो गया है। मध्य प्रदेश में 70 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की अनुमानित संख्या लगभग 34 लाख है। इसमें योजना में पहले से शामिल बुजुर्गों के साथ ही 70 से अधिक उम्र के आयकर के दायरे में आने वाले लोग भी हैं।

पंजीयन की हो गई शुरुआत भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डा. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि जिले में अभी तक लगभग 250 लोगों का पंजीयन किया जा चुका हैं। इसी प्रकार से प्रदेश भर में पंजीयन की गति धीमी है इसलिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। दरअसल, नए प्राविधानों में योजना के अंतर्गत बुजुर्गों को प्रतिवर्ष पांच लाख रुपये का अतिरिक्त बीमा कवर दिया जाना है। साथ ही वृद्धावस्था के हिसाब से विशेष पैकेजों का लाभ भी उन्हें दिया जाएगा। इस कारण योजना में पहले से सम्मिलित बुजुर्गों को भी पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है।

संपादकीय

परिसीमन, कास्ट सेंसस के सवाल, चुनौती मुश्किल है

आखिर देश में जनगणना की प्रक्रिया शुरू होने के आसार दिखने लगे हैं। हालांकि सरकार की ओर से आधिकारिक घोषणा इसकी अभी भी नहीं हुई है, लेकिन सूत्रों के हवाले से जिस तरह की सूचनाएं मीडिया में आई हैं और उनमें तैयारियों का जितना बारीक ब्योरा दिया गया है, उससे लगता है कि अब सरकार ने मन बना लिया है। देरी से परेशानी हर दस साल के अंतर पर होने वाली जनगणना कायदे से 2021 में ही हो जानी चाहिए थी, लेकिन कोविड-19 महामारी से उपजे हालात के चलते इसे स्थगित करना पड़ा। लेकिन 2022 और 2023 के बाद अब 2024 भी बीतने को है। जनगणना में देरी से कई तरह की जटिलताएं पैदा हो रही हैं। लेटेस्ट डेटा उपलब्ध न होने की वजह से सरकारी योजनाओं के तहत फंड आदि के निर्धारण का काम भी 2011 के आंकड़ों के ही आधार पर हो रहा है, जो पुराने पड़ चुके हैं। परिसीमन से जुड़ी दिक्कत इस बार की जनगणना को खास बनाने वाली एक बड़ी बात यह है कि इसके साथ परिसीमन संबंधी विवाद भी जुड़ गया है। देश में लोकसभा क्षेत्रों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण की प्रक्रिया 2002 में किए गए संशोधन की वजह से टली हुई थी। उसके मुताबिक 2026 के बाद होने वाली जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही नया परिसीमन हो सकता है। अगर जनगणना नियमित अंतराल में होती तो परिसीमन का काम 2031 की जनगणना से मिले आंकड़ों के आधार पर होता। अब बदले हालात में यह 2027 में हो सकता है। इसका मतलब यह हुआ कि 2029 के लोकसभा चुनाव नए परिसीमन के मुताबिक होंगे। साउथ के राज्यों का डर इस स्थिति ने दक्षिण और उत्तर के राज्यों का एक अवांछित विवाद खड़ा कर दिया है। चूंकि लोकसभा क्षेत्र के निर्धारण का एक मुख्य आधार जनसंख्या रही है, इसलिए माना जा रहा है कि परिसीमन के बाद लोकसभा में उत्तर भारत के राज्यों का हिस्सा अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगा, जिससे राष्ट्रीय राजनीति में साउथ का दबदबा कमजोर पड़ेगा। देखना होगा कि सरकार साउथ की आशंका को मिटाने का क्या उपाय निकालती है। जाति जनगणना की मांग इस बार की जनगणना के साथ जाति की गणना का प्रश्न भी जुड़ा है। विपक्षी दलों की इस मांग को ह्ष्ठ से जुड़े कुछ दलों का भी समर्थन हासिल है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इस मसले पर सरकार अपना रुख कितना और कैसे बदलती है। महिलाओं के लिए एक तिहाई आरक्षण की व्यवस्था भी इसी सेंसस के बाद लागू होनी है। साफ है कि इस जनगणना से आबादी के अलग-अलग तबकों की कई सारी उम्मीदें और आशंकाएं जुड़ी हैं, जो इसे सरकार के लिए ज्यादा चुनौतीपूर्ण बनाती हैं।

साइबर अपराधियों से सरकार ही निपटे

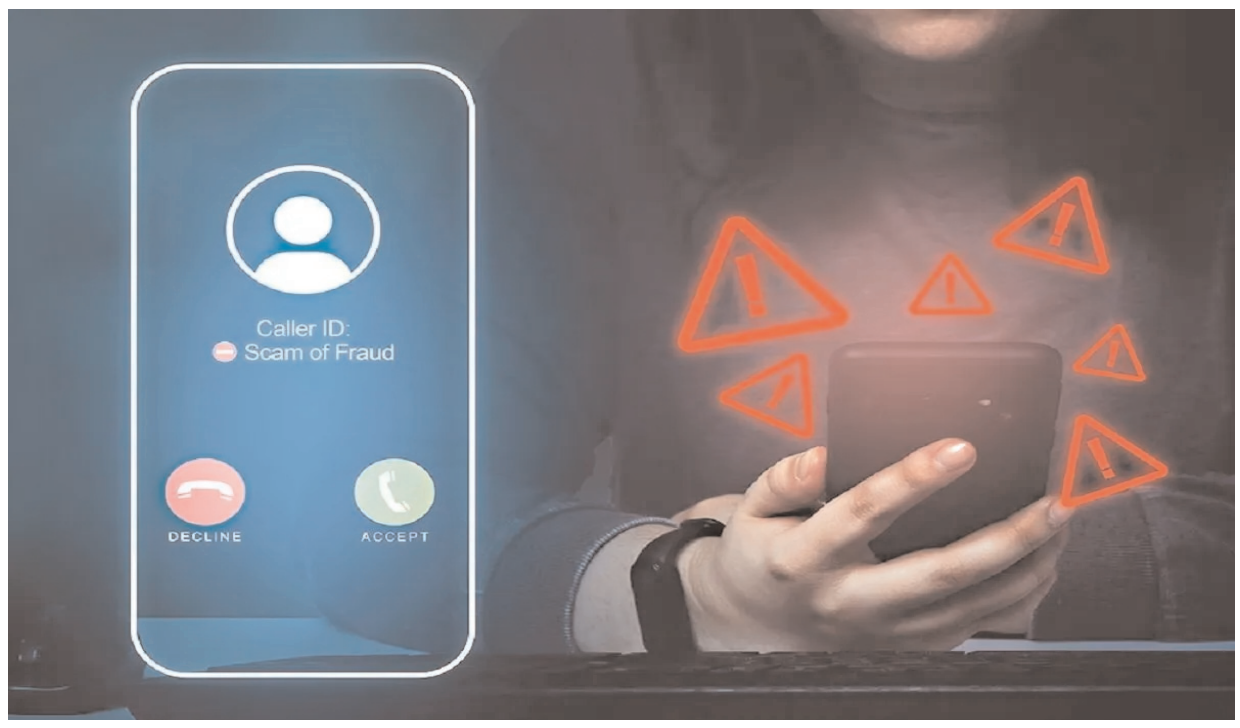

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने नवीनतम रेडियो संबोधन में साइबर ठगी के बढ़ते खतरे के बारे में बात की। हाल के दिनों में साइबर अपराधियों ने कई लोगों को निशाना बनाया है और उन्हें 'डिजिटल अरेस्ट' कर धमकी दी है।

वे साइबर ठगी करते समय पुलिस अधिकारी, प्रतिभूति बाजार नियामक या नारकोटिक्स आदि विभागों के सरकारी अधिकारी होने का दिखावा करते हैं। जिन लोगों को निशाना बनाया जाता है उनके बैंक खातों को खाली कर दिया जाता है और कुछ मामलों में उनके पैसे क्रिप्टोकरेंसी वॉलेट में स्थानांतरित कर दिए जाते हैं। जो लोग अपेक्षाकृत डिजिटली साक्षर हैं, वे भी इन अपराधियों के शिकार हो गए।

ऐसे में यह बात स्वागतयोग्य है कि प्रधानमंत्री ने इन तौर तरीकों के बारे में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया। परंतु अभी इन खतरों से निपटने के लिए और कई कदम उठाने की आवश्यकता है।

बैंकिंग नियामक आदि अपने स्तर पर ऐसे अपराध करने वाले अपराधियों को पकड़ पाने की क्षमता नहीं रखते। इनमें से कई तो भारत की सीमाओं से बाहर रहते हैं। दक्षिण पूर्वी एशिया के देश इनके खास अड्डे हैं। जरूरत इस बात की है कि राष्ट्रीय साइबर अपराध इकाइयों को क्षमतावान बनाया जा सके ताकि हर शिकायत पर ध्यान दिया जा सके।

ऐसे अपराध रोकने और अपराधियों को उनके अंजाम तक पहुंचाने की बुनियादी जिम्मेदारी सरकार की है और वह इस दायित्व से बच नहीं सकती।

आमतौर पर कुछ अधिकारियों के लिए विभिन्न प्रकार के डिजिटल जोखिमों के मामले में अपनी जवाबदेही से पल्ला झाड़ना बहुत आसान रहा है। इसका एक और उदाहरण है हाल ही में बम धमाकों की धमकी।

दीवाली के पहले व्यस्त सीजन में इन धमकियों ने देश के विमानन क्षेत्र को बुरी तरह प्रभावित किया। महज चंद दिनों में विभिन्न उड़ानों के बारे में ऐसी 100 से अधिक धमकियां दी गईं। इससे हवाई अड्डों की सुरक्षा के जिम्मेदारों पर दबाव बढ़ा और कई हवाई अड्डों पर अफरातफरी की स्थिति बन गई। शिकागो के लिए उड़ान भर रही एयर इंडिया की एक उड़ान को आर्कटिक में अचानक उतरना पड़ा ताकि विमान की जांच की जा सके। सिंगापुर जा रही एक और उड़ान को वहां के एफ-16 विमानों की निगरानी में चांगी हवाई अड्डे पर उतारना पड़ा। गत सप्ताह इस सिलसिले में एक किशोर को गिरफ्तार किया गया था और जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र पुलिस 35 वर्षीय एक अन्य संदिग्ध की तलाश में है।

परंतु अधिकारियों की शुरुआती प्रतिक्रिया सोशल मीडिया वेबसाइटों को दोष देने की रही जहां ऐसी धमकियां सामने आ रही थीं। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नुकसानदेह इन पोस्टों को हटाने की मांग की। इन वेबसाइटों का जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने में नाकाम रहना और पुलिस की मांग पर इन पोस्ट से संबंधित आईपी एड्रेस मुहैया नहीं करा पाना तथा धमकियों को गंभीरता के आधार पर चिह्नित नहीं कर पाना एक अलग मसला है।

वित्तीय नियामकों तथा नागर विमानन के प्रभारियों तथा कुछ मामलों में स्थानीय पुलिस सहित अधिकारियों के लिए डिजिटल अपराध एक नया मोर्चा है। यह स्वाभाविक है कि उनके पास शायद इस काम के लिए जरूरी विशेषज्ञता और अनुभव नहीं हो। परंतु ऐसी क्षमता विकसित की जानी चाहिए।अगर साइबर ठगी करने वाले और डिजिटल अफवाह फैलाने वालों की क्षमता बढ़ रही है तो प्राधिकारियों को भी अपनी क्षमता उसी अनुपात में बढ़ानी चाहिए। जहां तक 'डिजिटल अरेस्ट' के डर की बात है तो प्रधानमंत्री ने विशेष तौर पर उल्लेख किया कि सरकार को खुद से यह सवाल पूछना चाहिए कि ऐसी धमकियों पर इतनी आसानी से विश्वास कैसे कर लिया जा रहा है।

पुलिस और पुरातन कानूनों का डर इतना व्यापक क्यों है कि ठगी करने वाले आसानी से इसका लाभ लेकर मासूमों को भयभीत कर देते हैं जांचकर्ताओं को अपराधियों को पकड़ना चाहिए और इस धारणा को समाप्त करने पर काम करना चाहिए कि वे निर्दोषों को सताने में सक्षम हैं।

राहत की सांस... दिल्ली में पिछली दिवाली के मुकाबले हवा बेहतर

नई दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी और आसपास के इलाकों के लिए इस बार दिवाली के बाद की सुबह वैसी भयावह नहीं रही, जैसी हर बार रहा करती थी। हवा में प्रदूषण की मात्रा शुक्रवार सुबह 10 बजे एयर क्वॉलिटी इंडेक्स (त्त्क्ष्) के मुताबिक 365 रही। पिछले साल दिवाली की अगली सुबह के आंकड़े (433) के मुकाबले यह निश्चित रूप से बेहतर है। इस बेहतरी के पीछे की वजहों को लेकर कई तरह की बातें कही जा रही हैं।

पटाखों पर बैन दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार ने इस स्थिति का श्रेय सरकार के अलग-अलग विभागों द्वारा उठाए गए कदमों को देने में देर नहीं लगाई। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि सरकार द्वारा पटाखों पर बैन लगाने और लोगों द्वारा उस बैन का सम्मान करने की वजह से यह स्थिति आई है। हालांकि चोरी-छुपे पटाखों की बिक्री की खबरें इस बीच दिल्ली-ह्ष्टक्र के अलग-अलग हिस्सों से आती रहीं। पटाखों की आवाजें भी दिवाली की देर रात तक सुनाई देती रही थीं। मगर इनमें मात्रा का अंतर साफ महसूस किया जा सकता था।

बड़े हादसे नहीं रोक का प्रभाव इस तथ्य में भी देखा जा सकता है कि दिल्ली में इस बार दिवाली के दौरान हादसे कम हुए। आग लगने की छोटी-मोटी घटनाओं की कई शिकायतें आईं लेकिन दिल्ली फायर सर्विसेज के मुताबिक ऐसे बड़े हादसे नहीं हुए जिनमें लोगों को जान गंवानी पड़ी हो। निश्चित रूप से यह घटनाक्रम उम्मीद बंधाता है।

अन्य कारक कई जानकार प्रदूषण की मात्रा में कमी के पीछे कुछ अन्य कारकों की भूमिका की ओर संकेत करते हैं। उनके मुताबिक शुक्रवार सुबह हवा की स्पीड में करीब 10 किलोमीटर प्रति घंटे की बढ़ोतरी का इसके पीछे हाथ हो सकता है। यह भी गौर करने की बात है कि इस बार दिवाली किस दिन मनाना है इसे लेकर लोगों की राय बंटी हुई थी। कुछ लोगों ने गुरुवार को दिवाली मनाई तो कुछ अन्य इलाकों में माना गया कि शुक्रवार को दिवाली है। ऐसे में बहुत संभव है कि पटाखे भी एक दिन चलने के बजाय दो दिनों में बंट गए हों। शुभ संकेत कारण जो भी रहे हों, इसे एक शुभ संकेत माना जाना चाहिए। दिवाली के अगले दिन अपेक्षाकृत साफ हवा में सांस लेने का अनुभव लोगों को अगले साल भी पटाखे छोड़ने में संयम बरतने को प्रेरित कर सकता है। हालांकि इस संबंध में दो बातें खास तौर पर याद रखने की हैं। एक तो यह कि हवा में प्रदूषण का मौजूदा स्तर किसी भी रूप में संतोषजनक नहीं है। दूसरी बात यह कि अभी सिर्फ दिवाली बीती है। दिल्ली में स्मॉग का असली दौर अभी आना है। हमारे प्रयासों की असली परीक्षा तभी होगी।

एफएमसीजी कंपनियों का अलग-अलग अनुभव

हाल के महीनों में दैनिक उपयोग की उपभोक्ता वस्तुओं (एफएमसीजी) की कई कंपनियों के वरिष्ठ प्रबंधन ने एक जटिल समस्या को सामने ला दिया है। वह यह कि क्या भारतीय अर्थव्यवस्था विचलन की ओर है? दूसरे शब्दों में क्या दो अलग-अलग भारत दो अलग आर्थिक मार्गों पर बढ़ रहे हैं? एफएमसीजी कंपनियां आय वाले समय के बाद दो साझा बिंदुओं के साथ सामने आई हैं- अब मांग पहले जैसी जीवंत नहीं है, परंतु महंगे और उत्कृष्ट उत्पादों की मांग बनी रह सकती है। इन कंपनियों की वितरण और मार्केटिंग की पहुंच को देखते हुए व्यापक उपभोक्ता मांग के बारे में उनके निष्कर्षों पर अक्सर कड़ी नजर रखी जाती है। महामारी के बाद अंग्रेजी के 'के' अक्षर की आकृति वाले सुधार की चर्चा लंबे समय से रही है लेकिन अब सवाल यह है कि क्या भारत की अर्थव्यवस्था भी वही आकार ले रही है? 'के' आकृति वाले सुधार से तात्पर्य आर्थिक विभाजन के बढ़ने से है, यानी अमीरी और गरीबी की खाई में इजाफा। क्या अर्थव्यवस्था के दो हिस्से अलग-अलग गति से और अलग-अलग तरीकों से विकसित हो रहे हैं? यह बात ध्यान देने लायक है कि अगर यह कथानक सही है तो यह सामान्य से बहुत अधिक जटिल बात है। यह केवल उन 'दो भारत' की कहानी नहीं है जो नेता सुनाते हैं। अगर विभाजन मौजूद है और बढ़ रहा है तो यह शहरी समृद्धि और ग्रामीण संकट के बीच का विभाजन नहीं है। यह अंतर है प्रीमियम श्रेणियों और आय की श्रृंखला में काफी नीचे आने वाली श्रेणियों के बीच का। यानी भारतीय अर्थव्यवस्था के शीर्ष दशांश अथवा एकदम निचले छोर का। यकीनन इस समय ऐसा प्रतीत हो रहा है कि शायद ग्रामीण मांग में सुधार हो रहा है क्योंकि मॉनसून काफी बेहतर रहा है। कमजोरी शहरी मांग में नजर आ रही है। कुछ कंपनियों के अनुसार कमजोरी दूसरे या तीसरे दर्जे के शहरों के बजाय महानगरों में नजर आ रही है। यह चिंता का विषय है। कुछ मामलों में भारत के नीति निर्माता लंबे समय से यह मानते रहे हैं कि शहरी वृद्धि अपना ध्यान रख लेगी और ग्रामीण गरीबी की समस्या को हल करना होगा। परंतु यह सोच अगर सही भी थी तो वह देश की सबसे बड़ी कंपनियों के सामने आ रहे तथ्यों पर खरी नहीं उतर रही है।

शांति की संभावना, जेलिंस्की को भारत से उम्मीद

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलिंस्की ने हमारे सहयोगी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को दिए एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में जितने स्पष्ट शब्दों में शांति की जरूरत स्वीकार करते हुए भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संभावित मध्यस्थ के रूप में रेखांकित किया, वह महत्वपूर्ण है। हालांकि दोनों पक्षों- यूक्रेन और रूस ङ्क के रवैये में उस तरह के लचीलेपन का संकेत अभी नहीं मिला है, जो शांति समझौते की बुनियादी शर्त है। पहले की कोशिश वैसे, जेलिंस्की अपने देश की तरफ से शांति सम्मेलन भी आयोजित कर चुके हैं, लेकिन उसे शांति की इच्छा से ज्यादा अपने अनुकूल माहौल बनाने की कोशिश के रूप में लिया गया। संभवतः इसीलिए उस सम्मेलन में शिरकत करने के बावजूद भारत ने संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर तक नहीं किया। उसका साफ कहना था कि शांति का कोई भी समझौता दोनों पक्षों को शामिल किए बगैर संभव नहीं है। उम्मीद भी, गुस्सा भी इस बार वह इस रूप में एक कदम आगे बढ़े हुए दिख रहे हैं कि उन्होंने भारत जैसी संभावित मध्यस्थ शक्तियों की भूमिका पर ज्यादा जोर दिया है। हालांकि अभी भी भारत से उनकी सबसे बड़ी शिकायत यही है कि वह इस युद्ध में निष्पक्ष रुख अपनाए हुए है जबकि उसे पीड़ित यानी यूक्रेन के साथ खड़ा होना चाहिए। इसे युद्ध की ही विसंगति कहेंगे कि युद्धरत पक्ष मध्यस्थता की उम्मीद करते हुए भी मध्यस्थों के लिए जमीन उपलब्ध कराने को तैयार नहीं होते। वे यह नहीं समझते कि अगर कोई देश

उनके साथ खड़ा होगा तो दूसरे पक्ष की नजर में दुश्मन हो जाएगा। फिर उस पर दूसरा पक्ष विश्वास नहीं करेगा और उसके मध्यस्थता करने की गुंजाइश समाप्त हो जाएगी। दबाव और अनिश्चितता फिर भी यह पॉजिटिव डिवेलपमेंट कहा जाएगा कि नाराजगी को दरकिनार करते हुए जेलिंस्की ने भारत से मध्यस्थता की अपेक्षा जताई है। इसके पीछे जहां हाल के महीनों में रूसी फौज का बढ़ता दबाव है, वहीं अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव के मद्देनजर पैदा हो रही अनिश्चितता की भी भूमिका है। माना जा रहा है कि अगर डॉनल्ड ट्रंप फिर से वाइट हाउस में वापसी करते हैं तो यूक्रेन को मिल रही मदद पर रोक लग सकती है। यह निश्चित रूप से जेलिंस्की के लिए चिंता की बड़ी वजह है। परदे के पीछेंा युद्ध में एक पक्ष की चिंता अक्सर दूसरे पक्ष की उम्मीद बढ़ा दिया करती है। आश्चर्य नहीं कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने दो दिन पहले फिर कहा कि वह शांति समझौते के लिए यूक्रेन को किसी तरह की छूट नहीं देने जा रहे। मगर शांति की राह अक्सर ऐसी मुश्किलों के बीच से ही निकलती है। इसलिए परदे के पीछे शांति प्रयास तेज किए जाने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

दीपावली की रात कोतवाली अनूपपुर पुलिस की बड़ी कार्यवाही

बड़े जुआ फड़ पर रेड 267150 रूपये जप्त कर 10 जुंआरी गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ

अनूपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में गुरूवार को दीपावली की देर रात मुखबिर की सूचना पर थाना कोतवाली अनूपपुर से टी.आई. अरविन्द जैन के नेतृत्व में पुलिस टीम उपनिरीक्षक प्रवीण साहू, उपनिरीक्षक अजय तेकाम, प्रधान आरक्षक महेन्द्र राठौर, शेख रशीद, आरक्षक अब्दुल कलीम, गिरीश चौहान, अमित यादव चालक प्रधान आरक्षक दिनेश पाटिल द्वारा अब तक के सबसे बड़े जुंआ फड़ पर रेड कार्यवाही की गई जिसमें अनूपपुर के वार्ड न. 15 (पुरानी बस्ती) में रामसागर तालाब के पास अशोक पटेल के घर में 10 आरोपियो को ताश के पत्तो पर दांव लगाकर जुआ खेलते रंगे हाथों पकड़ा गया। दीवाली की देर रात 02 बजे सुनसान में एकत्र होकर जुआ खेल रहे रमाशंकर पटेल पिता भट्टू लाल पटेल उम्र 35 वर्ष निवासी वार्ड नं. 15 अनूपपुर, अवधेश कुमार चौधरी पिता स्व.बेच् चौधरी उम्र 36 वर्ष निवासी अमराडंडी थाना अमलाई जिला

शहडोल, पवन कुमार पिता महेन्द्र प्रताप उम्र 24 वर्ष निवासी अमराडंडी थाना अमलाई जिला शहडोल, अनिल सोनी पिता आर.पी. सोनी उम्र 35 वर्ष नि. वार्ड नं.10 अनूपपुर, अशोक पटेल पिता बद्री प्रसाद पटेल उम्र 40 वर्ष निवासी वार्ड नं. 15 पुरानी बस्ती अनूपपुर, शिवेन्द्र प्रताप सिंह पिता स्व. राजेन्द्र प्रताप सिंह उम्र 44 वर्ष निवासी वार्ड नं. 13 पुरानी बस्ती अनूपपुर, सीताराम पटेल पिता श्रीरामाधार पटेल उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 पुरानी बस्ती अनूपपुर, अजय शिवहरे पिता बिहारी लाल शिवहरे उम्र 42 वर्ष वार्ड नं. 02 पटौराटोला, सूरज सोनी पिता अमरीश प्रसाद सोनी उम्र 38 वर्ष निवासी वार्ड नं. 15 पुरानी बस्ती अनूपपुर, विजय सिंह राठौर पिता स्व. कोमल प्रसाद उम्र 36 वर्ष निवासी वार्ड नं. 10 पुरानी बस्ती अनूपपुर को पुलिस ने घेरा डालकर रंगे हाथों पकड़ा एवं आरोपियों के कब्जे से ताश के 52 पत्ते एवं कुल 267150.00 रुपए (दो लाख सडसठ हजार एक सौ पचास रूपये) जप्त किया जाकर आरोपियो के विरूद्ध धारा 13 जुंआ एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।

माननीय सांसद महोदया हिमाद्री सिंह जी को कोयला मंत्रालय परामर्श दात्री समिति सदस्य मनोनीत किया गया

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।

अनुपपुर, अनुपपुर शहडोल संसदीय क्षेत्र से सांसद हिमाद्री सिंह जी को कोयला मंत्रालय परामर्श दात्री समिति सदस्य बनाए जाने पर शहडोल संसदीय क्षेत्र में उल्लास का माहौल बना हुआ है, शहडोल संसदीय क्षेत्र में कोयले की कई खदाने संचालित है और सांसद महोदया को ये पद मिलने के कारण यहां की कोयला खदानों एवं इसमें कार्यरत लोगों को तो इसका फायदा होगा ही साथ ही आमजन को भी ज्यादा से ज्यादा लाभ पहुंचेगा सांसद महोदया इसमें ज्यादा से ज्यादा रोजगार की संभावनाएं लाएगी जिससे यह की आम जनता को इसका लाभ मिल सके यदि किसी किसान की जमीन कोयला खदान हेतु अधिग्रहण किया जाएगा तो सांसद महोदया के प्रयासों से इनको जल्द मुआवजा राशि एवं नौकरी उपलब्ध हो पाएगी , जिससे इन किसानों को भी लाभ पहुंचेगा। सांसद महोदया तक आम आदमी की पहुंच है जिससे कोयला खदानों के किसी भी कार्य हेतु या कोयला खदानों से किसी भी प्रकार की परेशानी के निवारण हेतु आमजन अपनी बात आसानी से कोयला मंत्रालय तक पहुंचा पाएगा।

बालक-बालिका का शव पड़ा मिलने से फैली सनसनी...पुलिस जांच में जुटी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ (उत्तर प्रदेश) देवबंद ।

सहारनपुर, देवबंद कोतवाली क्षेत्र के भायला गांव में देवबंद-नानौता मार्ग पर खाई में भाई और बहन का शव पड़ा मिलने से सनसनी फैल गई। दोनों भाई- बहन रिश्ते में ताऊ और चाचा के बच्चे थे। सूचना मिलने पर अधिकारी गांव पहुंचे और मुआयना किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंच घटनास्थल से नमूने लिए। उधर, घटना से गुस्साए ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। ग्रामीणों का कहना है कि तंत्र क्रिया के चलते बच्चों की हत्या की गई है। जबकि पुलिस इसे सड़क दुर्घटना मान रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार भायला गांव निवासी देव सिंह का 11 वर्षीय पुत्र करण अपने चाचा बिट्टू की सात वर्षीय बेटी अवनी के साथ मंदिर जाने के लिए घर से निकले थे। जब रात तक वह वापस नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। ग्रामीणों को देर रात दोनो बच्चों के शव देवबंद-नानौता मार्ग के किनारे खाई में मिले। बालक का शव सड़क के एक तरफ तो बच्ची का शव दूसरी ओर खाई में पड़ा था। घटना की खबर लगते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। एसडीएम दीपक कुमार, सीओ रविकांत पाराशर और कोतवाल सुनील नागर के मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से पूरे मामले की जानकारी लेते हुए बारीकी से छानबीन की। फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंच गई। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि तांत्रिक क्रिया के चलते बच्चों की हत्या की गई और शव सड़क किनारे फेंक दिए गए। घटना से आक्रोशित स्वजन सड़क के बीच बैठ गए। अधिकारियों ने जाम लगा रहे लोगों को समझाया लेकिन वह नहीं माने और आला अधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग पर आड़े रहे। सीओ रविकांत पाराशर का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है। फॉरेंसिक टीम ने नमूने भी लिए है। मामले की गहन जांच की जा रही है।दीपावली के मौके पर भायला गांव में हुई दुखद घटना से गांव में मातम है और परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। ग्रामीणों ने मामले में गंभीरता से जांच कर कार्रवाई कराए जाने की मांग की है।

एक तरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति और सैनी महासभा ने सीओ को दिया ज्ञापन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

नागल। सहारनपुर, नागल थाना क्षेत्र के गांगनौली में ग्राम समाज की भूमि को लेकर सैनी और अनुसूचित जाति के लोगों के बीच हुए विवाद के मामले में एक तरफा कार्रवाई करने का आरोप लगाते हुए भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति और सैनी महासभा ने सीओ को ज्ञापन दिया। जिसमें निष्पक्ष कार्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन की चेतावनी दी गई। भारतीय किसान यूनियन जनशक्ति के तहसील अध्यक्ष अंकुर चौधरी और सैनी महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष जोगेंद्र सैनी के नेतृत्व में सीओ कार्यालय पहुंचे संगठन के लोगों ने सीओ रविकांत पाराशर को ज्ञापन दिया। जिसमें बताया गया है कि बीती 26 सितंबर को गांगनौली में सैनी समाज और एससी समाज के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हो गई थी। जिसमें एससी समाज ने भीम आर्मी संगठन के साथ मिलकर थाने और एसडीएम कार्यालय देवबंद में धरना प्रदर्शन कर एससी एसटी समेत दूसरी धाराओं में मुकदमा दर्ज कराए जाने का दबाव बनाया। ज्ञापन में कहा गया है कि यदि दबाव में आकर निष्पक्ष कार्यवाही नहीं की गई तो भाकियु लोकशक्ति और सैनी महासभा मिलकर धरना प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी। ज्ञापन देने वालों में संदीप सैनी, विनीत सैनी, सुभाष सैनी, महक सैनी, अजीत सैनी, सागर कुमार, मोनू कुमार, दीपक सैनी, अवनीश सैनी, अक्षय सैनी आदि मौजूद रहे।

आतिशबाजी की रोशनी से जगमगाई अमावस्या की अंधेरी रात

रंगों से सजी दहलीज

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, रोशनी का पर्व दीपावली जिलेभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया और इस दिन मां लक्ष्मी के आगमन को लेकर महिलाओं और युवतियों ने घर एवं प्रतिष्ठानों की दहलीज को सतरंगी रंगों से सजाया। दीपोत्सव को लेकर अलसुबह से ही बाजार पूरी तरह से सजधज कर तैयार हो गया और मिठाई, पुष्पमाला, सजावटी सामान से लेकर इस साल धानी की दुकानें तक जल्दी ही खुल गईं। साथ ही युवा और बच्चों ने जमकर आतिशबाजी का लुत्फ उठाया। व्यापारियों ने शुभ मुहूर्त में अपने व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर महालक्ष्मी की महापूजा कर सुख-वैभव एवं धन समृद्धि की कामना की। इसके बाद शुरु हुआ आतिशबाजी का दौर देररात तक चलता रहा। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को अल सुबह से शुरू हुआ उल्लास का पर्व दीपावली शाम होते-होते अपने पूरे शबाब पर जा पहुंचा था और शुभ मुहूर्त में जहां व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर महालक्ष्मी की महा पूजा कर सुख-वैभव एवं धन समृद्धि की कामना की गई तो वहीं परम्परानुसार बड़ों के पांव छूकर आशीर्वाद लिया गया। गौरतलब है कि दीपोत्सव पर मां लक्ष्मी की पूजा का विधान है और इसी मान्यता के चलते बाजार जल्दी ही खुल गए थे और दूसरी तरफ महिलाओं और युवतियों ने अपने हुनर को रंगोली के माध्यम से जमींन पर उकेरा। घरों के साथ-साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर भी सजावट कर रंगोली बनाई गई।

आतिशबाजी से रोशन हुआ आकाश दीपावली पर्व पर लोगों ने शुभ मुहूर्त में स्वस्तिक और श्रीयंत्र के साथ महालक्ष्मी की पूजा की और अधिकांश लोगों ने परम्परानुसार गोधुली बेला में पूजन कर जमकर आतिशबाजी की। वहीं स्थानीय तालाब की पाल स्थित शहर के एक मात्र गजलक्ष्मी मंदिर में भी विशेष पूजा पाठ का दौर चलता रहा। महालक्ष्मी की महापूजा के बाद अंधेरी रात में रंग-बिरंगी रोशनी से आकाश सराबोर नजर आया और लोगों ने जमकर आतिशबाजी की। महापर्व का इंतजार कर रहे बच्चों के साथ-साथ उम्र दराज लोगों ने भी उत्साह के साथ दीपावली का पर्व मनाया और इसीके चलते आकाश जहां पटाखों की रोशनी से नहाया हुआ था तो धरा पर घर आंगन में दीपमाला की रोशनी की छटा बिखरी रही।

सांस्कृतिक गतिविधियों में दिखी भारतीय संस्कृति

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस पर समारोह का आयोजन

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मध्यप्रदेश स्थापना दिवस 01 नवम्बर पर शुक्रवार को स्थानीय गांधी हॉल शाजापुर में जिला स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सर्वप्रथम कलेक्टर ऋजु बाफना ने नगरपालिका परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और उपस्थितजनों द्वारा राष्ट्रगान गाया, यहां सशस्त्र पुलिस बल द्वारा ध्वज को सलामी दी गई। गांधी हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें विधायक अरूण भीमावद, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसोदिया, अशोक नायक, नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी, जिला शिक्षा अधिकारी डॉ विवेक दुबे, जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी नीलम चौहान, जिला कोषालय अधिकारी जीएल गुवाटिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, विद्यार्थी एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे। इस दौरान विधायक भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि विकसित मध्यप्रदेश की अवधारणा पर काम करते हुए वर्तमान में प्रदेश में तेजी से विकास हो रहा है। प्रदेश में सडक़ों का जाल बिछा है, जिससे आवागमन आसान हुआ है। वहीं प्रदेश में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हुआ है जिसके परिणाम स्वरूप कृषि उत्पादन के क्षेत्र में प्रदेश अग्रणी है। शाजापुर जिले में नर्मदा लिंक परियोजना का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है इससे किसानों को शीघ्र ही सिंचाई के लिए पानी मिलेगा। जिले की पेयजल समस्या भी हल होगी। इसके पूर्व उन्होंने मध्यप्रदेश के गठन एवं संसाधनों की भी जानकारी विस्तार से दी। कार्यक्रम में महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उमावि की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, उत्कृष्ट विद्यालय की छात्राओं ने शिव तांडव एवं आदिवासी नृत्य, सीएम राईज विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना, एकीकृत उमावि भरड़ के विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, इटरनल विद्यालय के बच्चों ने मध्यप्रदेश गान की आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के समापन पर अनुविभागीय अधिकारी मनीषा वास्कले ने आभार व्यक्त किया। संचालन शिक्षिका रेखा पुरोहित ने किया।

अवैध शराब के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई, 10, 50, 000 रुपए की अवैध मदिरा जप्त

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ

शाजापुर, मदिरा के अवैध निर्माण, संग्रहण, परिवहन एवं विक्रय पर नियंत्रण के लिए जिला आबकारी अधिकारी शाजापुर निधि जैन के मार्गदर्शन में चलाए गए अभियान में वृत्त शाजापुर एवं शुजालपुर में कार्रवाई की गई। वृत्त शाजापुर क्रमांक 1 एवं 2 में पंपापुर कंजर डेरा, टिकरिया कंजर डेरा, दुपाड़ा, बिजाना, लक्ष्मणखेड़ी, सोनखेड़ी, मक्सी, झोंकर, सुंदरसी, पोलायकलां, अरनियाकलां, पगरावद, वृत्त शुजालपुर में शुजालपुर, कोठरी, नांदनी, लाला खेड़ी, नगर पर्वती, कमालपुर, मगरानिया, ऊंचोद, पानखेड़ी में कार्रवाई की गई। उक्त कार्रवाई में कुल 9650 किग्रा लाहन, 274 लीटर हाथ भट्टी, 231 पाव देशी मदिरा एवं 182 केन बियर जप्त कर मप्र आबकारी अधिनियम की धारा के कुल 40 प्रकरण स्थापित कर लगभग 10,50,000 रुपए की अवैध मदिरा जप्त की गई। कार्रवाई में सहायक जिला आबकारी अधिकारी अशोककुमार खत्री, रमेशकुमार पन्द्रे, आबकारी उप निरीक्षक पंकज जैन, सुरेश पटेल, मीनाक्षी बोरदिया, आबकारी आरक्षक लखनसिंह सिसोदिया, दिनेश कौशिक, अमित शर्मा, राकेश जमरा का विशेष योगदान रहा।

विधायक भंवरा ने अग्नि पीड़ित परिवार जनो को दी आर्थिक सहायता

कांटाफोड़ – गत मध्यरात्रि लक्ष्मीपुजन की रात्रि को तकरीबन दो बजे सुंद्रेल के अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई जिसके कारण एक ही परिवार के पांच मकान जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए।एक पशु की मौत हो गई।दो दुधारू भैंस गंभीर रूप से घायल हो गई ।जिनका उपचार चल रहा है। अनुसूचित जनजाति वर्ग परिवार के बाबूलाल गंगाराम, छगनलाल गंगाराम, पतिराम गंगाराम, सीताराम गंगाराम, ओर पास में लगे मकान पड़ोसी प्रमिलाबाई कैलाश सभी पांचों मकान जलकर खत्म हो गए ।मकान में रखी सभी घरेलू सामग्री सहित बोनी के लिए गेहूं, चने ,खाद वस्त्र सभी जल गए।बिस्तर ,कपड़े , गेहूं का भूसा, ओढ़ने बिछाने के ऊनी कपड़े सहित भारी मात्रा में नुकसान हुआ है।जैसे ही विधायक मुरली भंवरा को सूचना मिली वे तत्काल सुंद्रेल पहुंचे ओर उन्होंने सभी पीड़ित परिवारों को नगद बीस बीस हजार रुपए प्रत्येक पांच परिवारों को प्रदान की।विधायक मुरली भंवरा ने बताया कि आदिवासी गरीब परिवारों के प्रति मेरी पूरी सहानुभूति है। बागली विधानसभा में किसी विधायक द्वारा पीड़ित परिवारों को नगद राशी दी गई है।यह पहला मामला है।जब किसी किसी विधायक ने अपने पास से उक्त राशि प्रदान की।साथ ही विधायक ने सेवा सहकारी संस्था के प्रबंधक मनीष पंचोली एवम सुरेश जोनवाल को फोन लगाकर पीड़ित परिवारों को खाद बीज के लिए निर्देशित किया।सेवा सहकारी संस्था से गेहूं ,चावल आदि की व्यवस्था भी करने के निर्देश मालती सीरा को दिए। पटवारी गिरवरसिंह चौहान ने मौका पंचनामा बनाकर सभी पीड़ित परिवारों के नुकसानी ब्यौरा तैयार किया । काटाफोड की फायर ब्रिगेट एवम ग्रामीणों की मेहनत से आग पर काबू पाया गया। सरपंच गिरधर पटाक ने हर पीड़ित परिवार को मदद का भरोसा दिया है। राशी वितरण करते समय शिवप्रसाद राठौर, दीपचंद मीणा, दिनेशचंद्र पंचोली, अनूप छानवाल, राहुल शर्मा, मनीष शर्मा, पूर्व सरपंच मनोहर जायसवाल, मुकेश जोशी,सुरेश जोनवाल,संतोष बैरागी, प्रतापसिंह मालवीय आदि उपस्थित थे।

चित्रकूट में दिवाली के बाद लगा गधों का मेला

औरंगज़ेब के जमाने से जारी चित्रकूट का ऐतिहासिक गधों का मेला

सतना, सतना जिले के चित्रकूट में गधों का मेला हर साल दिवाली के दूसरे दिन से लगता है, और यह तीन दिनों तक चलता है। यह मेला मुगलकाल में औरंगज़ेब के ज़माने से लग रहा है। मान्यता है कि जब औरंगज़ेब चित्रकूट पहुंचे थे, तब रसद और असलहे ढोने वाले गधे और खच्चर बीमार पड़ने लगे थे। इस पर किसी ने औरंगज़ेब को सलाह दी कि यहां गधों का मेला लगाया जाए। इस मेले में देश के अलग-अलग प्रदेशों और विदेश से भी व्यापारी और खरीदार आते हैं। इस मेले में अच्छी नस्ल के गधों और खच्चरों की कीमत हज़ारों से लाखों में होती है।

गौतमपुरा में तुर्रा और कलंगी दल के बिच जमकर चले अग्निबाण

परम्परागत रूप से खेला हिंगोट युद्ध

गौतमपुरा। गौतमपुरा में दीपावली के दूसरे दिन देश-प्रदेश का लोकप्रिय व ऐतिहासिक हिंगोट युद्ध खेला गया। गौतमपुरा व रुणजी के योद्धा निशान लिए ढोल धमाकों व पटाखों के साथ युद्ध मैदान में पहुंचे, योद्धा कंधों पर झोले में भरे हिंगोट, एक हाथ में जलती हुई लकड़ी की क़ीमची लिए नजर आये योद्धाओ ने सबसे पहले बड़नगर रोड़ पर स्थित देवनारायण मंदिर पर दर्शन किये। हजारों की संख्या में दर्शकों ने इस अद्वितीय युद्ध का लुफ्त उठाया, बता दें कि इस पारम्परिक युद्ध का कोई आयोजक-प्रयोजक नहीं होता है। इसके बावजूद बिना प्रचार- प्रसार के हजारों की संख्या में दर्शक रोमांचकारी युद्ध को देखने के लिए मैदान पर पहुंचते हैं। युद्ध मैदान की सफाई, पानी के टैंकर, रोशनी के लिए हैलोजन, दर्शकों की सुरक्षा हेतु जालिया, वाहन पार्किंग स्थान, घायलों के उपचार हेतु डॉक्टरों की टीम के साथ एंबुलेंस, फायर ब्रिगेड,व अन्य कार्यों की व्यवस्था नगर परिषद, विद्युत विभाग, पुलिस प्रशासन द्वारा की गई। युद्ध को देखने के लिए दोपहर 3 बजे से दर्शकों का आना शुरू हो गया था। नगर परिषद के मंच पर सभी अधिकारी मौजूद रहे। वहीं दर्शकों की सुरक्षा के लिए इस बार 15 फीट की जाली लगाई गई। पुलिस प्रशासन रहा मुस्तैद स्थानीय प्रशासन के साथ-साथ, नगर परिषद की पूरी टीम, नगर सुरक्षा समिति के सदस्य, व आला अधिकारियों के साथ लगभग 250 से अधिक पुलिस बल सुरक्षा के लिए तैनात रहा। एसडीएम रवि वर्मा ने बताया कि छोटी-मोटी चोट सहित 15 लोग घायल हुए। कोई भी योद्धा गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। युद्ध लगभग डेढ़ घंटे चला, मैदान में इस बार सीसीटीवी कैमरो से नजर रखी गई। युद्ध में ना किसी की जीत हुई और ना किसी की हार हुई, आपसी भाईचारे के साथ युद्ध समाप्त हुआ।

कार में अवैध रूप से शराब परिवहन करते हुए 1,20,140 रूपये की मदिरा को किया जप्त

पुलिस थाना सेक्टर 1 पीथमपुर जिला धार को मिली बडी सफलता अल्टो कार का चालक देशी, मसाला एवं अग्रेजी शराब की पेटीयां रांउ ले जा रहा था मुखबीर कि सुचना मिलने पर उक्त सुचना के सत्य माना जाकर श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय धार को सुचना दी जाकर कार्यवाही की गई। पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह व श्रीमान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डाँ. इन्द्रजीत बाकलवार उक्त घटना को संज्ञान में लेते हुए दिये नगर पुलिस अधीक्षक पीथमपुर विवेक गुप्ता को निर्देश थाना प्रभारी सेक्टर 1 पीथमपुर को दिये गये थे निर्देश बाद थाना प्रभारी सेक्टर । पीथमपुर निरीक्षक ओमप्रकाश अहीर द्वारा थाने से टीम बनाकर कस्बा क्षेत्र रवाना किया गया। पोरवाल आटो कम्पनी रोड इंदौर मेटल कम्पनी के पास सेक्टर.-1, पीथमपुर के पास अल्टो कार का चालक कार को खडी कर भाग गया। कार की चेकिगं के दौरान उसमें विभीन्न प्रकार की अंग्रेजी शराब की पेटीया, बियर केन की पेटीया, देशी व मसाला शराब की पेटीयां व पोलोथीनों में भरी हुई किमती 1,20,140 रूपये की शराब मिली। शराब परिवहन करने के संबंध में कोई दस्तावेज होना पाया जो कि, अल्टो कार का चालक अवैध शराब का परिवहन कर रहा था घटना स्थल पर ही शराब को जप्त किया गया।
उक्त प्रकरण का खुलाशा करने मे निरीक्षक ओमप्रकाश अहीर, दिनेश यादव, के. के. परिहार, सुरज,महेश यादव, सुधीर यादव,संदीप चौरसिया, शेलेन्द्रसिंह, राहुल हिरवे,राहुल गोडाले, सचिन सिलावट, आकाश की महत्वपुर्ण भूमिका रही।

भगवान महावीर स्वामी जी का निर्वाणोत्सव धूमधाम से मनाया गया

सभी मंदिरों में चढ़े लाड

आगर मालवा जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर अहिंसा का संदेश देने जिओ और जीने दो का मार्ग बतलाने वाले भगवान महावीर स्वामी जी का 2551 वा निर्वाणोत्सव बड़े ही धूमधाम भक्ति भाव से निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया गया । संपूर्ण देश एवम् विदेश के साथ साथ अहिंसा का संदेश देने वाले जिओ और जीने दो का मार्ग बताने वाले जैन धर्म के 24 वे तीर्थंकर महावीर स्वामी जी को सिद्ध शिला से मोक्ष प्राप्त हुए 2550 वर्ष पूरे होने पर आज 2551 वे निर्वाण उत्सव को उनके जैन धर्मावलंबियों द्वारा संपूर्ण देश एवम् विदेश में के साथ साथ मध्यप्रदेश के आगर मालवा जिले में आगर सुसनेर नलखेड़ा अतिशय युक्त तीर्थ पिपलोंन कला के मंदिरों में प्रात: से ही भीड़ उमड़ने लग गई थी। इस महोत्सव के तारतम्य में सभी मंदिरों को आकर्षक विुत सज्जा से सजाया गया सबसे पहले भक्तों द्वारा भगवान के अभिषेक शांति धारा नित्य नियम पूजन विधान पूजन शांति पाठ कर बड़े ही उत्साह और भक्ति के साथ संगीत मई निर्वाण लाडू भगवान महावीर स्वामी जी के समक्ष चढ़ाकर जैसे आपने मोक्ष प्राप्त किया ऐसे ही हमे भी मोक्ष प्राप्त हो भावना भाई मंदिरों प्रवचन सांस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से भगवान महावीर स्वामी जी के द्वारा दिए गए उपदेश का रसपान करा कर उनके बताए हुए मार्गो एवम् सिद्धांतो पर चलकर भव पर होना हे आज विश्व को महावीर स्वामी जी द्वारा बताए गए मार्गो पर चलना बहुत जरूरी है रात्रि में सभी मंदिरों में महा आरती कर आनद लिया गया

सांवले परिवार के गमी कार्यक्रम में 50 किलो गेहूँ व 15 किलो तेल भेंट किया

खलटाका – ग्राम में बलाई समाज के लोगों के द्वारा एक नई पहल प्रारम्भ की गई! जहाँ जय बलाई युवा शक्ति संगठन मध्यप्रदेश के द्वारा ग्राम खल टाका में सांवले परिवार के राजाराम सांवले जी के गमी कार्यक्रम के लिए 50 किलो गेहूं व 15 लीटर तेल का डब्बा भेंट किया गया! सचिन गोयल ने बताया की गमी कार्यक्रम में रिश्तेदार घर पर आते हें व उनके ग्यारहवे के दिन दूर दराज से आये सभी को भोजन पानी कराना होता हें, समाज में कई लोगों की आर्थिक स्थिति ख़राब रहती हें जिससे उनको सहयोग हेतु इस प्रकार की पहल चलाई जा रही हें! इसी कड़ी में बलाई समाज के प्रदेश अध्यक्ष पवन वर्मा, संगठन संस्थापक सचिन गोयल, प्रदेश महासचिव राहुल चचोखारे , प्रियांशु वर्मा राधेश्याम, संजय सोनू आदि समाज सेवी उपस्थित रहे,उक्त जानकारी प्रदेश संरक्षक जय बलाई समाज संगठन (जे.बी.एस) प्रदीप कुमार सांकले द्वारा दी गई!

सामर्थ्य फाउंडेशन ने सूरजपोल में गरीब बच्चों के संग मनाई दिवाली

मिठाई के साथ पटाखे का किट वितरित।

शंभूपुरा।सामर्थ्य फाउंडेशन ने गुरुवार को निकटवर्ती सूरजपोल गांव में गरीब बच्चों के साथ दिवाली मनाई। फाउंडेशन के सदस्य बच्चों को मिठाई के साथ पटाखों के किट वितरित कर उनकी खुशियों में शरीक हुए। संस्था के मनीष गोस्वामी ने बताया कि संस्था की गत बैठक में किसी गांव में निर्धन बच्चों के साथ दीपावली मनाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। उसी क्रम में चित्तौड़गढ़ दुर्ग के पिछवाड़े स्थित संस्था के सदस्य सूरजपोल गांव पहुंचे और आदिवासी समाज के साथ गरीब वर्ग के बच्चों को एकत्रित कर उनके साथ दीपावली का जश्न मनाया गया। संस्था के सदस्यों ने बच्चों के साथ आतिशबाजी कर उनके साथ ही पर्व की खुशियों को साझा किया। भारत माता की जय और जय श्री राम के उद्घोष के साथ बच्चों को दीपक के साथ मिठाई का पैकेट और पटाखों का एक-एक किट प्रदान किया गया ताकि रात्रि में वे अपने परिवार के साथ दीपावली मना सके। पटाखे और मिठाइयां पाकर बच्चों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। कार्यक्रम में फाउंडेशन के आलोक सिंह राठौड़, रवि विराणी, मनीष, रतन सिंह जी, उदयलाल धाकड़, शक्ति सिंह, नरेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

भारतीय जनता पार्टी उज्जैन जिला ग्रामीण का दीपावली मिलान समारोह एवं सक्रिय सदस्य सम्मेलन 3 नवम्बर को आयोजित

प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल रहेंगे पूरे समय मौजूद करेंगे कार्यकर्ताओ से बातचीत।

भारतीय जनता पार्टी उज्जैन जिला ग्रामीण का प्रतिवर्ष अनुसार होने वाला दीपावली मिलन समारोह एवं सक्रिय सदस्य सम्मेलन तराना नगर में कलश श्री मैरिज गार्डन पर दिनांक 3 नवम्बर रविवार को प्रात: 10 बजे आयोजित किया गया है।जिसमे केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का मार्गदर्शन प्राप्त होगा।सम्मेलन में विशेष रूप से उज्जैन जिला प्रभारी मंत्री गौतम जी टेटवाल,राज्यसभा सांसद योगी उमेशनाथ जी महाराज,पूर्व सांसद डॉ सत्यनारायण जी जटिया, उज्जैन आलोट संसदीय क्षेत्र सांसद अनिल जी फिरोजिया,भाजपा उज्जैन जिला ग्रामीण जिलाध्यक्ष बहादुरसिंह बोरमुंडला,जिले के सभी भाजपा विधायकगण,जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, पूर्व विधायक गण, जिले के समस्त जनप्रतिनिधिगण,सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं जिला भाजपा कार्यकारिणी,बूथ अध्यक्ष, सक्रिय सदस्य, पालक संयोजक एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे।कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री गौतम जी टेटवाल पूरे कार्यक्रम में मौजूद रहकर कार्यकर्ताओ से रूबरू होकर संवाद करेंगे।वही मुख्यमंत्री श्री डॉ मोहन यादव भी वर्चुवल रूप से दीपावली मिलन समारोह एवं सक्रिय सदस्य सम्मेलन से जुड़ कर कार्यकर्ताओ को बधाई एवं अपना मार्गदर्शन करेंगे।कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे वही सहभोज के साथ समारोह का समापन होगा। उपरोक्त जानकारी भाजपा मीडिया प्रभारी सचिन बोड़ाना ने दी।

रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में लगी सितारों की महफिल, शाहिद से लेकर करण जौहर तक हुए शामिल

बॉलीवुड में कई नामी कलाकारों के घर दिवाली पार्टी होती है, लेकिन जिनकी पार्टी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है उनमें रानी मुखर्जी भी शामिल है। इस बार भी रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में बॉलीवुड से जुड़े हुए कई लोग शामिल हुए। इसमें निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और कई अभिनेत्रियां शामिल रहीं। रानी ने पहले मां काली की आराधना कीं उसके बाद लोगों को मिठाइयां बांटी और उसके बाद अपने मेहमानों के साथ वक्त बिताया। कौन-कौन रहे रानी की दिवाली पार्टी के खास मेहमान, जानिए।

शाहिद-मीरा कपूर और करण जौहर दिखे भारतीय पहनावे में रानी की दिवाली पार्टी में शाहिद कपूर और करण जौहर को सबसे पहले देखा गया। शाहिद अपनी पत्नी मीरा के साथ भारतीय पहनावे में दिवाली पार्टी में शामिल हुए। वहीं करण जौहर भी सुंदर सा एथनिक वियर पहले रानी की दिवाली पार्टी की रौनक बढ़ाने के लिए आए।

पार्टी में अगस्तय नंदा-श्वेता बच्चन भी पहुंचे बच्चन परिवार की तरफ से रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में श्वेता बच्चन नंदा शामिल हुईं। रानी मुखर्जी और श्वेता के बीच बहुत ही अच्छा रिश्ता है दोनों अकसर ही एक दूसरे की खुशियों में शामिल होती हैं। इस दिवाली पार्टी में श्वेता के बेटे अगस्तय नंदा भी शामिल हुए।

सुहाना खान साड़ी में लगीं कमाल शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में शामिल हुई। वह साड़ी पहनकर आईं। साड़ी में सुहाना बहुत ही ज्यादा खूबसूरत दिखीं। अकसर ही सुहाना किसी खास इंवेट या त्योहार पर साड़ी पहनती हैं और फैंस की खूब तारीफें पाती हैं। शाहरुख खान और गौरी खान भी अपनी दोस्त रानी की इस दिवाली पार्टी में शामिल हुए।

ये सितारे भी हुए शामिल रानी की दिवाली पार्टी में बॉबी देओल, जिमी शेरगिल, रकुल प्रीत, हुमा कुरैशी, समीर सोनी, जोया अख्तर, बिपाशा बासु, करण सिंह ग्रोवर, नीलम कोठारी, सोनम बाजवा, नेहा धूपिया और अंगद बेदी जैसे नामी सितारों ने भी शामिल होकर पार्टी में चार चांद लगा दिए। इन सितारों के कारण रानी की इस दिवाली पार्टी की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है।

रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में लगी सितारों की महफिल शाहिद से लेकर करण जौहर तक हुए शामिल

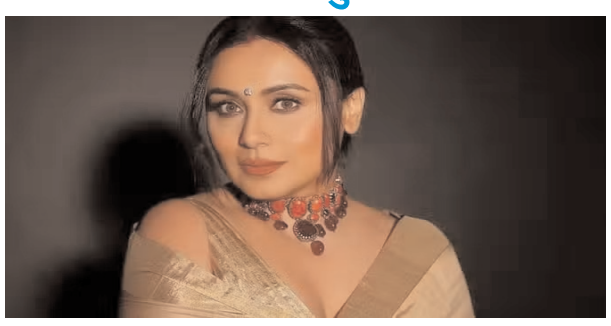

बॉलीवुड में कई नामी कलाकारों के घर दिवाली पार्टी होती है, लेकिन जिनकी पार्टी सबसे ज्यादा चर्चा में रहती है उनमें रानी मुखर्जी भी शामिल है। इस बार भी रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में बॉलीवुड से जुड़े हुए कई लोग शामिल हुए। इसमें निर्माता, निर्देशक, अभिनेता और कई अभिनेत्रियां शामिल रहीं। रानी ने पहले मां काली की आराधना कीं उसके बाद लोगों को मिठाइयां बांटी और उसके बाद अपने मेहमानों के साथ वक्त बिताया। कौन-कौन रहे रानी की दिवाली पार्टी के खास मेहमान, जानिए।

शाहिद-मीरा कपूर और करण जौहर दिखे भारतीय पहनावे में रानी की दिवाली पार्टी में शाहिद कपूर और करण जौहर को सबसे पहले देखा गया। शाहिद अपनी पत्नी मीरा के साथ भारतीय पहनावे में दिवाली पार्टी में शामिल हुए। वहीं करण जौहर भी सुंदर सा एथनिक वियर पहले रानी की दिवाली पार्टी की रौनक बढ़ाने के लिए आए।

पार्टी में अगस्तय नंदा-श्वेता बच्चन भी पहुंचे बच्चन परिवार की तरफ से रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में श्वेता बच्चन नंदा शामिल हुईं। रानी मुखर्जी और श्वेता के बीच बहुत ही अच्छा रिश्ता है दोनों अकसर ही एक दूसरे की खुशियों में शामिल होती हैं। इस दिवाली पार्टी में श्वेता के बेटे अगस्तय नंदा भी शामिल हुए।

सुहाना खान साड़ी में लगीं कमाल शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी रानी मुखर्जी की दिवाली पार्टी में शामिल हुई। वह साड़ी पहनकर आईं। साड़ी में सुहाना बहुत ही ज्यादा खूबसूरत दिखीं। अकसर ही सुहाना किसी खास इंवेट या त्योहार पर साड़ी पहनती हैं और फैंस की खूब तारीफें पाती हैं। शाहरुख खान और गौरी खान भी अपनी दोस्त रानी की इस दिवाली पार्टी में शामिल हुए।

ये सितारे भी हुए शामिल रानी की दिवाली पार्टी में बॉबी देओल, जिमी शेरगिल, रकुल प्रीत, हुमा कुरैशी, समीर सोनी, जोया अख्तर, बिपाशा बासु, करण सिंह ग्रोवर, नीलम कोठारी, सोनम बाजवा, नेहा धूपिया और अंगद बेदी जैसे नामी सितारों ने भी शामिल होकर पार्टी में चार चांद लगा दिए। इन सितारों के कारण रानी की इस दिवाली पार्टी की चर्चा सोशल मीडिया पर खूब हो रही है।

घरवालों के झगड़ों को सुलझाने के लिए आ रहे हैं भोजपुरिया किंग रवि किशन

बिग बॉस के हर सीजन में सलमान खान स्पेशल एपिसोड की मेजबानी करते नजर आते हैं और प्रतियोगियों को कुछ कड़वे सच से रूबरू कराते हैं। ऐसा ही सीजन 18 में भी होने वाला है। हालांकि, अब खबर है कि शो में रवि किशन भी शामिल होने वाले हैं और बिग बॉस सीजन 18 में सह-मेजबान के रूप में सलमान खान के साथ शामिल होने वाले हैं। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।

शिवानी को सुनाई थी खरी-खोटी इससे पहले, जब किशन ओटीटी रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 में अनिल कपूर के साथ शामिल हुए थे, तो उन्होंने शिवानी कुमारी को सबक सिखाने के लिए सुर्खियां बटोरी थीं। अभिनेता ने कहा, भाषा की हद में आप किसी को अपमानित तो नहीं कर सकती... तुम छेड़ती हो ये गलत है। इससे शिवानी कुमारी की आंखों में आंसू आ गए थे।

बिग बॉस में पहले भी शामिल हो चुके हैं अभिनेता रवि किशन अरशद वारसी द्वारा होस्ट किये गए बिग बॉस सीजन 1 में पहले रनर अप भी रहे थे। अभिनेता-राजनेता के बिग बॉस 18 में आने के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह भी पुष्टि नहीं हुई है कि अभिनेता अतिथि सह-मेजबान के रूप में दिखाई देंगे या सलमान खान के साथ मंच साझा करेंगे ।

लोगों की मिली ऐसी प्रतिक्रिया हालांकि, इस खबर ने फैंस के बीच उत्साह जरूर पैदा कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, %रवि किशन क्या सलमान खान की जगह लेने वाले हैं।% दूसरे यूजर ने लिखा, रवि किशन भी सलमान खान की तरह प्रतियोगियों को सही सबक सिखाते हैं। उनके शो में आने से शायद सब बदल जाए।% एक और यूजर ने लिखा, अगर रवि किशन शो में आते हैं तो काफी मजा आएगा।%

पूरी सुरक्षा में कर रहे हैं शूटिंग बता दें कि सलमान खान इन दिनों पूरी सुरक्षा के बीच बिग बॉस 18 की शूटिंग कर रहे हैं। वही, अभिनेता अपनी आगामी फिल्म सिकंदर को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं।

मां के बनने बाद पहला जन्मदिन मना रही हैं मसाबा

नीना गुप्ता ने खास अंदाज में दी शुभकामनाएं

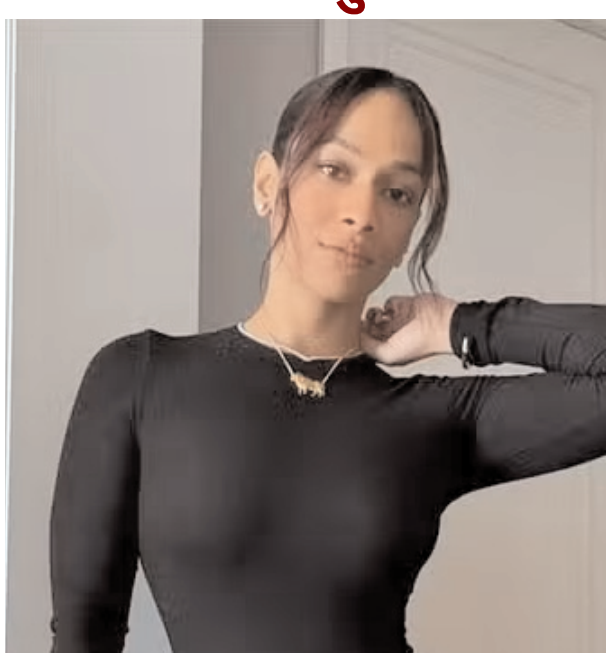

मशहूर अभिनेत्री नीना गुप्ता की बेटी मसाबा आज जन्मदिन मना रही हैं। फैशन डिजाइनर मसाबा हाल में ही मां बनी हैं। ऐसे में उनके इस खास दिन पर नीना गुप्ता ने अपनी बेटी के लिए एक भावुक नोट साझा किया है। अभिनेत्री ने मसाबा की तस्वीर साझा करते खूबसूरत अंदाज में जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं।

नीना गुप्ता ने भावपूर्ण अंदाज में दी शुभकामनाएं हाल में ही मसाबा गुप्ता मां बनी हैं। उनके इस जन्मदिन पर उनकी मां ने एक भावपूर्ण संदेश साझा किया है। उन्होंने मसाबा की तस्वीर के साथ एक प्यारा कैप्शन लिख उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। अभिनेत्री ने लिखा, नई मम्मी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। बताते चलें की पिछले महीने ही मसाबा गुप्ता और उनके पति सत्यदीप मिश्रा ने अपने परिवार में पहले संतान के रूप में एक बच्ची का स्वागत किया है।

फैंस ने भी दी शुभकामनाएं नीना गुप्ता द्वारा साझा किए गए पोस्ट के बाद कई फैंस और शुभचिंतकों ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं। एक फैन ने मसाबा के मातृत्व की यात्रा का जश्न मनाते हुए लिखा,जन्मदिन मुबारक हो प्यारी मसाबा, आपको अपनी मां की बेटी के रूप में खिलते हुए और अब खुद एक मां के रूप में देखना काफी अच्छा है। मातृत्व की शुभकामनाएं। एक अन्य फैन ने मसाबा के जीवन में नीना की भूमिका की तारीफ करते हुए लिखा, मसाबा को जन्मदिन की शुभकामनाएं, लेकिन आपके लिए एक बड़ा क्षण। आपकी विरासत, आपने उन्हें स्वतंत्रता, आशा और एक ऐसी परवरिश दी जिसकी बराबरी कोई नहीं कर सकता।

दिवाली की तस्वीरों में परिवार संग नजर आईं मसाबा मसाबा गुप्ता ने हाल ही में अपनी मां नीना गुप्ता, सौतेले पिता विवेक मेहरा, पति सत्यदीप मिश्रा और अपने नवजात शिशु सहित पूरे परिवार के साथ दिवाली मनाई। इस दिवाली सेलिब्रेशन की तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर भी साझा की हैं। इन तस्वीरों में वह पूरे परिवार के साथ नजर आ रही है। इनमें वो सोफे पर बैठी हुई थीं और उनके पीछे सत्यदीप खड़े थे। एक अन्य शॉट में नीना और विवेक के बीच एक कैंडिड मोमेंट नजर आ रहा है, जिसमें वे साथ में हंसते हुए नजर आ रहे थे।

सोशल मीडिया पर दी थी पेरेंट बनने की जानकारी मसाबा गुप्ता और सत्यदीप मिश्रा ने हाल ही में अपनी बेटी का स्वागत किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर बेहद खूबसूरती से डिजाइन किए गए पोस्टर के साथ फैंस को ये जानकारी दी थी। इस पोस्टर के साथ उन्होंने लिखा, हमारी बहुत ही खास छोटी बच्ची एक बहुत ही खास दिन पर आई। 11.10.2024। मसाबा और सत्यदीप। उन्होंने अपनी बच्ची के नन्हे पैरों की एक दिल को छू लेने वाली तस्वीर भी शामिल की, जिस पर उसकी जन्मतिथि के साथ सरलता से कैप्शन लिखा है,

ऑस्कर विजेता स्लमडॉग मिलियनेयर को मंच पर किया जा रहा रूपांतरित, एआर रेहमान ने जताई खुशी

स्लमडॉग मिलियनेयर का स्टेज संस्करण तैयार किया जा रहा है। केन डेवनपोर्ट 2009 की अकादमी पुरस्कार विजेता सर्वश्रेष्ठ फिल्म से रूपांतरित संगीत बना रहे हैं। एआर रहमान इस संगीत के लिए फिल्म से अपने ऑस्कर विजेता स्कोर का विस्तार करेंगे। स्लमडॉग मिलियनेयर का निर्माण सेलाडोर इंटरनेशनल के सहयोग से किया जा रहा है।

एआर रहमान ने साझा किया उत्साह

एआर रहमान ने एक बयान में कहा, मैं स्लमडॉग मिलियनेयर पर काम शुरू करने के लिए बेहद उत्साहित हूं। यह नया संस्करण आपको नए गानों और कुछ अप्रत्याशित मोड़ के साथ एक रोमांचक यात्रा पर ले जाएगा। हम आपके साथ इसका अनुभव करने का इंतजार नहीं कर सकते। इस संगीतमय कार्यक्रम में फिल्म का गाना जय हो भी शामिल होगा। रहमान द्वारा संगीतबद्ध और कवि गुलजार द्वारा लिखे गए जय हो ने 2009 में सर्वश्रेष्ठ मूल गीत के लिए अकादमी पुरस्कार जीता था।

स्लमडॉग मिलियनेयर की कहानी

मुंबई की सड़कों पर आधारित स्लमडॉग मिलियनेयर 18 वर्षीय जमाल मलिक की कहानी है। एक गेम शो में भाग लेने के दौरान जमाल पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया जाता है। इसके बाद वह अपने जीवन का वर्णन करते हुए बताता है कि कैसे उसे सभी सवालों के जवाब पता थे। विकास स्वरूप के उपन्यास क्यू एंड ए पर आधारित और साइमन ब्यूफॉय द्वारा लिखित पटकथा वाली स्लमडॉग मिलियनेयर 2008 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म को 10 अकादमी पुरस्कारों के लिए नामांकित किया गया था, जिसमें से आठ पुरस्कार जीते।

केन डेवनपोर्ट ने जाहिर की खुशी

केन डेवनपोर्ट ने कहा, मेरे पिता केनी दीपचंद हसीजा ने भारत में पले-बढ़े होने के बारे में कभी यादा बात नहीं की, जब तक कि मैं उन्हें स्लमडॉग मिलियनेयर देखने नहीं ले गया। क्रेडिट शुरू होने के तुरंत बाद कहानियां, प्यार और जहां से वे आए थे, वहां का गर्व उनके अंदर से बाहर आ गया। यह हमारे सबसे करीबी पलों में से एक था। उसी समय और वहीं, मैंने कसम खाई कि एक दिन मैं अपनी भारतीय संस्कृति को मंच पर लाने का कोई तरीका खोजूंगा, ताकि उन्हें और पूरी दुनिया में भारतीय मूल के लोगों को सम्मानित किया जा सके। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं उसी फिल्म के साथ और खुद एआर रहमान के साथ ऐसा कर पाऊंगा। मैं बहुत आभारी हूं कि यह प्यारी कहानी मुझे सौंपी गई है, और सेलाडोर में पॉल स्मिथ को विशेष धन्यवाद देता हूं।

जल्द होगी कास्टिंग की घोषणा

2017 में वन्स ऑन दिस आइलैंड और 2013 में किंकी बूट्स के पुनरुद्धार के लिए दो बार टोनी पुरस्कार विजेता केन डेवनपोर्ट को हाल ही में ब्रॉडवे पर ए ब्यूटीफुल नॉइज और हार्मनी द्वारा प्रस्तुत किया गया था। स्लमडॉग मिलियनेयर के लिए अतिरिक्त रचनात्मक टीम के सदस्यों, कास्टिंग और निर्माण की तारीखों की घोषणा की जाएगी।

रीढ़ की सर्जरी के लिए अस्पताल में भर्ती हुए अभिनेता दर्शन? पत्नी विजयलक्ष्मी भी हैं साथ

कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा रेणुकास्वामी हत्या मामले में दर्शन थुगुदीपा को छह सप्ताह की अंतरिम जमानत दिए जाने के बाद, उन्हें कथित तौर पर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हाई कोर्ट ने 30 अक्तूबर को चिकित्सा आधार पर कन्नड़ अभिनेता को जमानत दी थी। अब एक रिपोर्ट के अनुसार, दर्शन थुगुदीपा को पीठ दर्द के कारण बेंगलुरु के केंगेरी के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

दर्शन के साथ थीं पत्नी बताया जा रहा है कि हत्या के आरोपी अभिनेता के साथ उनकी पत्नी विजयलक्ष्मी भी अस्पताल गई थीं। रिपोर्ट के अनुसार, दर्शन के डॉक्टर डॉ. नवीन अप्पाजी गौड़ा ने कहा कि वे मामले को समझने के लिए एक्स-रे, एमआरआई और ब्लड टेस्ट करेंगे।

जांच के बाद लेंगे फैसला इसके अलावा, नवीन गौड़ा ने कहा कि उन्हें दर्शन की पिछली एमआरआई रिपोर्ट नहीं मिली है और इसलिए वह उनके लिए एक एमआरआई करेंगे। उन्होंने कहा, जांच के बाद, हमें पता चलेगा कि समस्या क्या है और क्या ऑपरेशन (रीढ़ की सर्जरी) की आवश्यकता है या फिजियोथेरेपी ही काफी है।

बेटे का मनाया था जन्मदिन इस बीच, पहले की रिपोर्ट्स में बताया गया था कि दर्शन थुगुदीपा जमानत मिलने के बाद अपने बेटे का जन्मदिन मनाने के लिए अपने घर गए थे। जैसा कि वन इंडिया ने दावा किया है। दर्शन की पत्नी विजयलक्ष्मी अपने घर के बाहर अपने पति का इंतजार कर रही थीं। वह जेल में रहने के दौरान दर्शन का समर्थन करती रही हैं। विजयलक्ष्मी ने अपने पति की रिहाई के लिए प्रार्थना करते हुए कई मंदिरों का दौरा भी किया।

इस मामले को लेकर हैं दोषी बता दें कि दर्शन थुगुदीपा को 11 जून को रेणुकास्वामी की हत्या में गिरफ्तार किया गया था। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो अभिनेता ने कथित तौर पर पीड़िता की हत्या कर दी क्योंकि उन्होंने पूर्व प्रेमिका और अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के खिलाफ कुछ अश्लील कमेंट की थीं। जेल के अंदर कई महीने बिताने के बाद, अभिनेता को आखिरकार मेडिकल आधार पर हाई कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी।

गाजा-लेबनान पर मौत बरसा रहा इजराइल

ताजा हवाई हमलों में 50 बच्चों सहित मारे गए 136 लोग, हमास का वरिष्ठ अधिकारी कसाब भी किया ढेर

गाजा-लेबनान पर इजराइल मौत बन कर बरस रहा है। ताजा इजराइली हवाई हमलों में 50 बच्चों सहित गाजा और लेबनान में कम से कम 136 लोग मारे गए हैं। ताजा रिपोर्ट के अनुसार उत्तरी गाजा में आवासीय भवनों पर दो इजराइली हमलों में 84 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें 50 से ज्यादा बच्चे शामिल हैं। पेंटागन का कहना है कि अमेरिका मध्य पूर्व में अतिरिक्त बैलिस्टिक मिसाइल रक्षा विध्वंसक, लड़ाकू स्क्वाड्रन और टैंकर विमान और कई अमेरिकी वायु सेना बी-52 लंबी दूरी के हमलावर बमवर्षक तैनात करेगा। इजराइल का कहना है कि उसने खान यूनिस में हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ अधिकारी इज़ अल-दीन कसाब को मार गिराया है। हमास के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इजराइल गाजा युद्ध विराम वार्ता को गंभीरता से नहीं ले रहा है, वह एक अस्थायी युद्ध विराम की पेशकश कर रहा है जो युद्ध को स्थायी रूप से रोकने की माँगों से कम है। लेबनान के बालबेक-हर्मेल क्षेत्र में इजराइली हमलों में 52 लोग मारे गए और 72 घायल हो गए। संयुक्त राष्ट्र शांति सेना प्रमुख का कहना है कि हाल के हफ्तों में हमलों का सामना करने के बावजूद लेबनान में अपनी स्थिति बनाए रखेगा, साथ ही उन्होंने कहा कि अगर वह वहाँ से चला गया तो उसके ठिकानों पर कब्ज़ा कर लिया जाएगा। इजराइल द्वारा लेबनान के पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थित गांवों पर किए गए हवाई हमलों में अब तक कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई है। लेबनान के अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। बालबेक के गवर्नर बशीर खोदर ने बताया कि लेबनान के पूर्वोत्तर हिस्से के नौ गांवों पर किए गए हवाई हमलों में मरने वाले लोगों की संख्या बढ़क 52 हो गई है। यह लेबनान की 'नेशनल न्यूज एजेंसी द्वारा पहले बताई गई मृतक संख्या से 17 अधिक है। लेबनान की सरकारी समाचार एजेंसी 'एनएनए% ने बताया कि ओलाक के छोटे से गांव में किए गए इजराइली हवाई हमले में चार लोग मारे गए हैं। इस गांव में चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला को काफी समर्थन प्राप्त है। इजराइल ने हिजबुल्ला के ठिकानों को निशाना बनाकर हाल में लेबनान के दक्षिणी उपनगर दहिए में हवाई हमले किए थे, हालांकि यहां हुए हमले में अभी तक किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। बालबेक-हर्मेल क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले लेबनानी सांसद हुसैन हज हसन ने कहा कि इजराइली बमबारी के कारण करीब 60,000 लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जा चुके हैं।

'हैलोवीन उत्सव के समय गोलीबारी से दो लोगों की मौत, छह घायल

अमेरिका के फ्लोरिडा में 'हैलोवीन उत्सव मनाने के लिए आयोजित एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शुक्रवार तड़के गोलीबारी के कारण दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय मीडिया ने यह जानकारी दी। ऑरलैंडो पुलिस विभाग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि वह शहर के मुख्य इलाके में हुई गोलीबारी की जांच कर रहा है। ऑरलैंडो पुलिस प्रमुख एरिक स्मिथ ने कहा कि पीड़ितों को उस समय गोली मारी गई, जब सैकड़ों लोग रात करीब एक बजे सार्वजनिक रूप से 'हैलोवीन उत्सव मना रहे थे। स्मिथ ने कहा कि खुफिया विभाग 17 वर्षीय संदिग्ध किशोर से पूछताछ कर रहा है। पुलिस ने कहा कि आगामी प्रेसवार्ता में इस बारे में अतिरिक्त जानकारी दी जा सकेगी।

बॉयफ्रेंड ने पूर्व क्लासमेट को कहा हैलो गर्लफ्रेंड ने सड़क पर ही ले ली जान

अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक गर्लफ्रेंड ने अपने बॉयफ्रेंड की जान सिर्फ इसलिए ले ली, क्योंकि उसे उसकी पूर्व सहपाठी ने सड़क पर हैलो कहा था। यह घटना गोंजालेज कैटन में हुई। 23 वर्षीय युवक मारियानो ग्रिनस्पन अपनी गर्लफ्रेंड नताशा पलावेसीनो के साथ सड़क पर चल रहा था। तभी एक महिला, जो कि मारियानो की पूर्व क्लासमेट थी, ने उसे हैलो कहा और पूछा कि वह कैसे हैं। इस सामान्य अभिवादन ने नताशा को इतना गुस्सा दिलाया कि उसने अपने पास रखे चाकू से मारियानो पर हमला कर दिया। वह चिल्लाते हुए कहने लगी कि उस महिला ने बॉयफ्रेंड को हैलो क्यों कहा और उससे हालचाल क्यों पूछा। आवाज पर चक्कर में, नताशा ने पहले उस महिला पर भी हमला किया, जिसे अर्जेंटीना के मीडिया ने केवल एलसी के नाम से पहचाना। वो महिला गिर गई लेकिन उसने नताशा के दूसरे वार को रोकने की कोशिश की। यदि कोई व्यक्ति नताशा को उस महिला से दूर नहीं खींचता, तो शायद उसकी जान भी चली जाती। दुर्भाग्यवश, ग्रिनस्पन बच नहीं सका। नताशा ने अपनी गुस्से की परिणति अपनी प्रेमिका के बनाते हुए मारियानो के सीने में चाकू मार दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने आपातकालीन सेवाओं को बुलाया, लेकिन जब तक मदद पहुंची, तब तक बहुत देर हो चुकी थी और मारियानो की जान चली गई। पुलिस की जांच में यह पता चला कि नताशा का एक हिंसक इतिहास है। 2021 में, उसे अपने पूर्व प्रेमी के सीने में चाकू घोंपने के लिए एक साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। मारियानो ने खुद भी उसे बार-बार धमकियों और शारीरिक चोट पहुंचाने के लिए पुलिस में शिकायत की थी। अब नताशा पलावेसीनो को अपने बॉयफ्रेंड की हत्या और उस महिला की हत्या के प्रयास के आरोप में कई सालों की जेल हो सकती है।

अमेरिका ने रूस व उ.कोरिया पर लगाम के लिए चीन से मांगी मदद, ड्रैगन ने साध ली चुप्पी

यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में मदद के लिए रूस को उत्तर कोरिया द्वारा हजारों सैनिक भेजे जाने के बाद अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने चीन से मॉस्को और प्योंगयांग पर अपने प्रभाव का इस्तेमाल करने का आह्वान किया है ताकि तनाव को बढ़ने से रोका जा सके। चीन ने इन घटनाक्रम पर अभी तक चुप्पी साध रखी है। अमेरिका के विदेश मंत्रालय के एक अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में तीन शीर्ष अमेरिकी राजनयिकों ने अमेरिका में चीन के राजदूत के साथ मुलाकात की जिसमें अमेरिकी चिंताओं पर जोर दिया गया तथा चीन से आग्रह किया गया कि वह उत्तर कोरिया और रूस के सहयोग को कम करने के लिए अपने प्रभाव का उपयोग करेअमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने बृहस्पतिवार को कहा कि दोनों पक्षों के बीच ''इस सप्ताह ठोस बातचीत हुई और चीन अमेरिका की इन अपेक्षाओं से अवगत है कि ''वे इन गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करेंगे। ब्लिंकन ने वाशिंगटन में रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्षों के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''लेकिन मुझे लगता है कि यह मांग न केवल हमारी, बल्कि दुनिया भर के अन्य देशों की भी है। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के प्रवक्ता लियू पेंगयु ने एक बयान में कहा कि यूक्रेन संकट पर चीन की स्थिति ''तर्कयुक्त और स्पष्ट है। लियू ने कहा, ''चीन यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान और शांति वार्ता के लिए प्रयासरत है। यह रुख लगातार बना हुआ है। चीन इस दिशा में रचनात्मक भूमिका निभाता रहेगा। अमेरिका का कहना है कि 8,000 उत्तर कोरियाई सैनिक यूक्रेन की सीमा के पास रूस में हैं और आगामी दिनों में यूक्रेनी सैनिकों के खिलाफ क्रेमलिन की लड़ाई में मदद करने की तैयारी कर रहे हैं। चीन ने इस कदम पर अभी तक सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। चीन ने रूस के साथ ''असीमित साझेदारी स्थापित की है और वह उत्तर कोरिया का एक प्रमुख सहयोगी भी रहा है लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि बीजिंग रूस और उत्तर कोरिया के बीच घनिष्ठ सैन्य साझेदारी को शायद स्वीकार नहीं करेगा, क्योंकि वह इसे क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाला मानता है।

इजरायल पर हमले की तैयारी में ईरान, हिजबुल्ला के हमले में 7 इजरायली नागरिकों की जान

मध्य पूर्व में तनाव बढ़ता ही जा रहा है। एक नई रिपोर्ट के अनुसार, ईरान आने वाले दिनों में इजरायल पर एक बड़े हमले की योजना बना रहा है। एक्सियोस ने दो अज्ञात इजरायली स्रोतों का हवाला देते हुए बताया कि यह हमला पांच नवंबर को अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले हो सकता है। इसके तहत इराक के किसी क्षेत्र से बड़ी संख्या में ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलों का प्रयोग किया जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान समर्थक मिलिशिया के माध्यम से इराक से हमला करना, तेहरान द्वारा इजरायल के रणनीतिक लक्ष्यों के प्रति अपनी सुरक्षा को सुनिश्चित करने का एक प्रयास हो सकता है। इस बीच, इजरायल ने हाल ही में ईरान के खिलाफ हवाई हमले किए हैं, जिसमें ऊर्जा अवसंरचना और परमाणु संयंत्रों को निशाना नहीं बनाया गया। हाल की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली लड़ाकू विमानों ने सीरिया के मध्य और दक्षिणी हिस्सों में कुछ सैन्य ठिकानों पर हवाई स्ट्राइक की।एक और गंभीर घटना में, उत्तरी इजरायल पर हिजबुल्ला के रॉकेट हमलों में मेटुला और हाइफा के पास कृषि क्षेत्रों में सात लोगों की जान चली गई।

बोत्सवाना में 58 साल पुरानी सत्ता समाप्त, राष्ट्रपति ने चुनाव में हार की स्वीकार

बोत्सवाना के राष्ट्रपति मोगवेत्सी मासीसी ने शुक्रवार को आम चुनाव में हार स्वीकार कर ली और इसके साथ ही 1966 में ब्रिटेन से आजादी मिलने के बाद से सत्ता पर काबिज सत्तारूढ़ पार्टी का 58 साल पुराना शासन समाप्त हो गया। मासीसी ने अंतिम परिणाम घोषित होने से पहले ही हार स्वीकार कर ली। चुनाव के रुझानों के अनुसार उनकी 'बोत्सवाना डेमोक्रेटिक पार्टी संसदीय चुनावों में चौथे स्थान पर है। मुख्य विपक्षी दल 'अम्ब्रेला फॉर डेमोक्रेटिक चेंज ने शुरुआती परिणामों में मजबूत बढ़त हासिल की, जिससे डुमा बोको दक्षिणी अफ्रीकी देश के राष्ट्रपति बनने के लिए पसंदीदा उम्मीदवार बन गए हैं। मासीसी ने कहा कि उन्होंने बोको को फोन करके सूचित किया था कि वह हार स्वीकार कर रहे हैं।

दुबई में विमान से उतरते पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी के पैर की हड्डी टूटी

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की दुबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान से उतरते समय पैर की हड्डी टूट गई। यह घटना बुधवार रात को हुई लेकिन पाकिस्तान के राष्ट्रपति के कार्यालय ने इसकी पुष्टि बृहस्पतिवार देर रात को की। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान के अनुसार, राष्ट्रपति विमान से उतरते समय गिर गए जिसके बाद उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। चिकित्सक ने जांच के बाद उनके पैर में प्लास्टर चढ़ा दिया। बयान में कहा गया है, ''उनके पैर पर चार सप्ताह तक प्लास्टर रहेगा। बयान में कहा गया कि राष्ट्रपति जरदारी को घर भेज दिया गया है और उन्हें आराम की सलाह दी गई है। पाकिस्तान के अखबार 'डॉन ने बताया कि 69 वर्षीय राष्ट्रपति को हाल के वर्षों में कई स्वास्थ्य समस्याएं हुई हैं। मार्च 2023 में संयुक्त अरब अमीरात में उनकी आंख की सर्जरी हुई। वर्ष 2022 में उन्हें सीने में संक्रमण के इलाज के लिए एक सप्ताह के लिए कराची के डॉ. जियाउद्दीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खराब स्वास्थ्य की अफवाहों के बीच उनके निजी चिकित्सक और करीबी सहयोगी डॉ. आसिम हुसैन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर पुष्टि की थी कि वह ''उनकी सेहत ठीक है। उनके बेटे और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष बिलावल भुट्टो जरदारी के अनुसार, जुलाई 2022 में उनमें कोरोना वायरस से संक्रमण की पुष्टि हुई थी, उनमें कोविड-19 के ''हल्के लक्षण थे।

अमेरिका में राष्ट्रपति बाइडेन और कमला हैरिस ने नागरिकों के साथ मनाई दिवाली, देशभर में जगमगाए मंदिर और प्रतिष्ठित स्थान

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बृहस्पतिवार को अमेरिकी नागरिकों के साथ मिलकर दीपावली का त्योहार मनाया। देशभर में मंदिरों और कई प्रतिष्ठित स्थानों को रोशनी से सजाया गया। बाइडन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''आइए, इस दिवाली पर हम प्रकाश के इस त्योहार में एकजुटता की ताकत दिखाएं। ज्ञान, एकता, सत्य का प्रकाश हो, स्वतंत्रता का प्रकाश हो, लोकतंत्र का प्रकाश हो, एक ऐसा अमेरिका हो, जहां सब कुछ संभव हो।अमेरिका राष्ट्रपति ने इस सप्ताह के शुरू में देश भर से लगभग 600 प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकियों को 'व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया और वहां उनके साथ अब तक की सबसे बड़ी दिवाली मनाई। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने 'एक्स% पर एक पोस्ट में कहा, ''आज रात, हमने अमेरिका और दुनिया भर में 100 करोड़ से अधिक लोगों के साथ दीये जलाकर बुराई पर अच्छाई, अज्ञानता पर ज्ञान और अंधकार पर प्रकाश की जीत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, ''प्रकाश के त्योहार दीपावली की सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! कमला हैरिस पिछले कई वर्षों से अपने सरकारी आवास पर दिवाली के लिए कार्यक्रम का आयोजन करती रही हैं, लेकिन अमेरिका में इसी महीने होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए प्रचार अभियान में व्यस्त रहने के कारण वह इस बार आयेजन नहीं कर पाईं।विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि दिवाली अंधकार पर प्रकाश की जीत और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। उन्होंने कहा, ''यह हमें अपने समुदायों में और अधिक प्रकाश लाने की हमारी क्षमता को बताती है। हम दुनिया भर में परिवारों और दोस्तों तथा अमेरिका के एक लाख लोगों के साथ इकट्ठा होते हैं, मिठाइयां बांटते हैं, घरों को सजाते हैं और दीये जलाते हैं।%% मिनेसोटा के गवर्नर और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्ज ने पेंसिल्वेनिया के मोंटगोमरी काउंटी स्थित मंदिर में दर्शन किए और दीये जलाए। उन्होंने कहा, ''सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं। इस खास दिन पर आपके साथ होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है, आपके बीच खड़ा होना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। आप यहां समुदाय की भावना को महसूस कर सकते हैं। आप प्यार की भावना को महसूस कर सकते हैं। आप यह महसूस कर सकते हैं कि हम सभी से बड़ा कुछ है। वॉल्ज ने कहा, ''अगले पांच दिनों में, मैं आप सभी के शांति और सुकून की कामना करता हूं,... अमेरिका की अगली राष्ट्रपति कमला हैरिस के साथ उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार होना मेरे जीवन का सौभाग्य है। मुझे पता है कि पेंसिल्वेनिया के साथ-साथ मिनेसोटा में भी भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदाय हमारे राज्य का एक अभिन्न अंग है। सर्च इंजन 'गूगल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुंदर पिचाई ने भी दिवाली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा, ''सभी को रोशनी से भरी एक उज्ज्वल और आनंदमय दिवाली की शुभकामनाएं!

लॉस एंजिलिस काउंटी ने प्लास्टिक प्रदूषण को लेकर पेप्सी और कोका कोला के खिलाफ ठोका मुकदमा

अमरिका में लॉस एंजिल्स काउंटी ने प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ाने के मामले में पेप्सी और Coca Cola पर कार्रवाई करते हुए उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है। लॉस एंजिलिस काउंटी ने बुधवार को दायर मुकदमे में आरोप लगाया कि 'पेप्सिको और 'कोका-कोला% कंपनियों ने प्लास्टिक की अपनी बोतलों के पुनर्चक्रण के बारे में जनता को गुमराह किया तथा प्लास्टिक के नकारात्मक पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों को कम करके दिखाया। लॉस एंजिलिस काउंटी के पर्यवेक्षक लिंडसे होर्वाथ ने एक बयान में कहा, ''कोक और पेप्सी को धोखाधड़ी बंद करनी चाहिए और उनके उत्पादों के कारण होने वाले प्लास्टिक प्रदूषण की समस्याओं की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। लॉस एंजिलिस काउंटी भ्रामक और अनुचित व्यावसायिक कार्यों में संलग्न उन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई करना जारी रखेगी जिनके कारण पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। वैश्विक पर्यावरण समूह 'ब्रेक फ्री फ्रॉम प्लास्टिक% के अनुसार, दोनों कंपनियां लगातार पांच वर्षों से दुनिया के शीर्ष प्लास्टिक प्रदूषकों में शामिल रही हैं और कोका-कोला इस मामले में छह साल तक शीर्ष स्थान पर रही है। 'ब्रेक फ्री फ्रॉम प्लास्टिक% के अनुसार, पेप्सिको प्रतिवर्ष लगभग 25 लाख मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन करती है, जबकि कोका-कोला प्रतिवर्ष लगभग 32 लाख 24 हजार मीट्रिक टन प्लास्टिक का उत्पादन करती है। यूरोपीय संघ के एक उपभोक्ता संरक्षण समूह और पर्यावरण संगठनों ने पिछले साल नवंबर में कोका-कोला, नेस्ले और डैनोन के खिलाफ कानूनी शिकायत दर्ज कराई थी

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0।31-4202569 फैक्स नं : 0।31-4202569